हरिभूमि
रायपुर भूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

ऑटोनॉमस कॉलेजों में दाखिले के लिए विवि नहीं मंगा सकेंगे आवेदन, कॉलेज ही निकालेंगे लिस्ट

हरिभूमि एक्सक्लूसिव

प्रदेशभर के ऑटोनॉमस महाविद्यालयों में दाखिले की प्रक्रिया शैक्षणिक सत्र 2025-26 से बदल दी गई है। अब इन महाविद्यालयों में दाखिले के लिए विश्वविद्यालयों द्वारा आवेदन नहीं मंगाए जाएंगे। ऑटोनॉमस स्वयं ही आवेदन मांगेंगे तथा मेरिट लिस्ट घोषित करेंगे। जबकि ऑटोनॉमस महाविद्यालयों के इतर शेष शासकीय व निजी महाविद्यालयों के लिए आवेदन विश्वविद्यालयों के पोर्टल पर ही होगा। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा शैक्षणिक सत्र 2025-26 में प्रवेश के लिए मार्गदर्शिका विश्वविद्यालयों ⏭शेष पेज 13 पर

महाविद्यालयों ने तैयार की वेबसाइट

राजधानी रायपुर में तीन ऑटोनॉमस महाविद्यालय हैं। इनमें साइंस कॉलेज, छत्तीसगढ़ कॉलेज तथा डिग्री गर्ल्स कॉलेज शामिल है। इन तीनों महाविद्यालयों ने आवेदन के लिए अपनी वेबसाइट तैयार कर ली है। इनमें से डिग्री गर्ल्स कॉलेज पिछले शैक्षणिक सत्र से ही छात्रों से पृथक आवेदन मंगा रहा है, जबकि साइंस कॉलेज और छत्तीसगढ़ महाविद्यालय पहली बार अपने वेबसाइट पर आवेदन मंगा रहे हैं।

- ऑटोनॉमस महाविद्यालयों को पूर्णत: स्वायत्ता प्रदान करने कवायद
- उच्च शिक्षा विभाग ने सत्र 2025-26 के लिए जारी की प्रवेश मार्गदर्शिका
- ऑटोनॉमस के अलावा शेष शासकीय व निजी महाविद्यालयों के लिए विवि ही मंगाएंगे आवेदन

ऑटोनॉमस में आवेदन प्रारंभ

साइंस कॉलेज में दाखिले के लिए वेबसाइट शुरू कर दी गई है। मेरिट लिस्ट की तिथि भी जल्द घोषित कर देंगे।

- डॉ.अमिताभ बनर्जी
प्राचार्य, साइंस कॉलेज

ऐसे समझें नई व्यवस्था

ऑटोनॉमस कॉलेज : ऑटोनॉमस कॉलेज वे महाविद्यालय होते हैं, जिन्हें विवि से स्वायत्ता प्राप्त होती है। अर्थात इन महाविद्यालयों में परीक्षा का आयोजन विवि द्वारा नहीं किया जाता। समय-सारिणी घोषित किए जाने से लेकर उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन संबंधित व्यवस्था भी महाविद्यालय स्तर पर होती है। इसलिए यहां के छात्रों को विवि की मेरिट लिस्ट में जगह भी नहीं मिलती है। परीक्षा सहित अन्य व्यवस्थाएं जो अन्य महाविद्यालयों के लिए विश्वविद्यालय करता है, ऑटोनॉमस कॉलेज खुद ही करते हैं। शैक्षणिक सत्र 2024-24 तक ऑटोनॉमस कॉलेज में प्रवेश के लिए विवि के पोर्टल में जाकर आवेदन करना होता था। अब छात्रों को ऑटोनॉमस कॉलेज की वेबसाइट पर जाकर आवेदन करना होगा।

अन्य महाविद्यालय : ऑटोनॉमस कॉलेज के इतरह अन्य शासकीय व निजी, दोनों ही तरह के महाविद्यालयों के लिए परीक्षा का आयोजन विवि ही करता है। अन्य कार्यों के लिए दिशा-निर्देश भी रविवि ही जारी करता है। इन महाविद्यालयों में प्रवेश के लिए छात्रों को विश्वविद्यालय की वेबसाइट में जाकर आवेदन करना होता है। छात्र जिस कॉलेज का चुनाव करते हैं, विवि उस महाविद्यालय को छात्र का आवेदन प्रेषित कर देते हैं। जितने छात्रों के आवेदन प्राप्त होते हैं, उसके आधार पर कॉलेज मेरिट लिस्ट निकालते हैं। मेरिट लिस्ट निकालने की तिथि विवि तय करता है।

खबर संक्षेप

ऑनलाइन शॉपिंग कंपनियों की एसएसपी ने ली बैठक

रायपुर। ऑनलाइन शॉपिंग साइट्स कंपनियों के प्रतिनिधियों की एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने रविवार को बैठक ली। शॉपिंग कंपनियों के प्रतिनिधियों को एसएसपी ने ऑनलाइन चाकू मंगाने वालों की जरूरत पड़ने पर जानकारी साझा करने निर्देश दिए। साथ ही शॉपिंग साइट्स पर धारदार हथियार न दिखें, इसके लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं। इस संबंध में चर्चा की। एसएसपी ने उक्त बैठक शहर में बढ़ती चाकूबाजी की घटना पर अंकुश लगाने को लेकर की है।

फैक्ट्री से पंप चोरी, तीन आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। कबीर नगर पुलिस ने तेंदुआ रोड स्थित जरवाय में संचालित पालीमर्स फैक्ट्री से 14 लाख रुपए कीमत के सबमर्सिबल पंप, पीवीसी पाइप सहित अन्य सामान चोरी करने के आरोप में तीन शातिरों को गिरफ्तार किया है। चोरों के कब्जे से पुलिस ने दो लाख रुपए से ज्यादा कीमत का चोरी का सामान जब्त किया है। चोरी के आरोप में पुलिस ने ओमन ध्रुव उर्फ रावन, गुरप्रीत सिंह तथा जोबन सिंह को गिरफ्तार किया है।

लेन-देन के विवाद पर मारपीट, केस दर्ज

रायपुर। टिकरापारा थाने में एक व्यक्ति ने दो लोगों के खिलाफ लेन-देन के विवाद पर मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक खेमराज ठाकुर ने नितिन झा तथा आशुतोष के खिलाफ लेन-देन के विवाद पर मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। खेमराज ने पुलिस को बताया कि लेन-देन के विवाद पर नितिन तथा उसके साथी ने देवपुरी स्कूल के पास उसका रास्ता रोककर हाथ, मुक्के तथा डंडे से पिटाई की।

हेयर कटिंग के पैसे मांगने पर की पिटाई

रायपुर। मोवा थाने में एक सेलून संचालक ने हेयर कटिंग करने के पैसे मांगने पर एक युवक के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। लोधीपारा शिवाजी अपार्टमेंट में सेलून संचालित करने वाले समीर सेन ने लोचन बाग के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। समीर ने पुलिस को बताया कि लोचन ने उसकी सेलून में हेयर कटिंग कराई। पैसे मांगने पर लोचन ने विवाद करते हुए उसके साथ मारपीट की।

सड़क हादसे में मौत

रायपुर। राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र में एक्सीडेंट में एक व्यक्ति की मौत हो गई। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, ट्रक की चपेट में आने से खेदू यादव उर्फ दूजराम की मौत हुई है। खेदू अपनी बाइक से जा रहा था, इस दौरान ट्रक सीजी 04 एमसी 7161 के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए खेदू की बाइक को ठोकर मार दी। खेदू को उपचार के लिए रामकृष्ण अस्पताल भर्ती ले जाया गया, अस्पताल पहुंचने से पहले खेदू की मौत हो गई थी।

दोनों भाइयों के नाम करीब आधा दर्जन प्रॉपर्टी होने की जानकारी

सूदखोर तोमर ब्रदर्स की 'पाप की कमाई' नापने निगम भी पहुंचा, 10 करोड़ के बंगले को नापा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

ब्लैकमेल कर सूदखोरी का साम्राज्य खड़ा करने वाले तोमर बंधुओं का पुलिस को अब तक कोई सुराग नहीं मिला है। खुद को करणी सेना का राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा प्रदेश अध्यक्ष बताने वाला वीरेंद्र तोमर लगातार सोशल मीडिया पर पोस्ट डालकर अपने आपको हिंदुत्ववादी नेता के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहा है। इधर, रविवार को निगम तथा राजस्व विभाग की टीम वीरेंद्र तथा उसके भाई रोहित के निवास पहुंची और जमीन की जांच शुरू की।

पुलिस के अनुसार, वीरेंद्र तथा उसके भाई रोहित ने अपना मोबाइल बंद कर दिया है। इस वजह से उनके छिपने के लोकेशन के बारे में सही जानकारी नहीं मिल पा रही है। वीरेंद्र के सोशल मीडिया में सक्रिय रहने के सवाल पर पुलिस का कहना है कि उसके सोशल मीडिया को कोई दूसरा ऑपरेट कर रहा है। सोशल मीडिया को जो ऑपरेट कर रहा है, साइबर सेल की मदद से आईपी एड्रेस निकालकर सोशल मीडिया ऑपरेट करने वाले की पहचान कर पुलिस उससे पूछताछ करने की बात कह रही है।

आयकर विभाग की टीम करेगी जांच

छापे के दौरान तोमर भाइयों के घर से मिली करोड़ों के प्रॉपर्टी, कैश तथा ज्वेलरी की जानकारी पुलिस ने आयकर विभाग को दे दी है। इस लिहाज से आयकर विभाग तोमर बंधुओं के आय के स्त्रोत तथा प्रॉपर्टी के आधार पर कितना आयकर जमा किया है, इसकी जांच करेगा।

फरार दोनों आरोपियों का अब तक नहीं मिला सुराग

इन बिंदुओं को लेकर जांच करने पहुंची टीम

नगर निगम जोन-6 के कमिश्नर हितेंद्र यादव, तहसीलदार तथा पटवारी की टीम रविवार सुबह 9 बजे के करीब वीरेंद्र तथा रोहित के भाठागांव स्थित निवास जांच करने पहुंची। नगर निगम की टीम ने इस बात की जांच कर रही है कि मकान बनाने जितने एरिया की अनुमति ली गई है, उतने में भवन निर्माण किया है या उससे ज्यादा क्षेत्र में निर्माण किया गया है। इसके अलावा मकान निर्माण कब किया गया है, प्रॉपर्टी टैक्स कब तक की जमा की है।

हरिभूमि फॉलोअप

सूदखोरी से बनाया आलीशान बंगला

वीरेंद्र तथा रोहित तोमर का परिवार तीन दशक पूर्व रायपुर के टिकरापारा इलाके में किराए के मकान में रहता था। अंडे का कारोबार करते हुए एक पंडित के संपर्क में आए। बताया जा रहा है, उस पंडित का अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग कर उगाही की। उसी पैसों से भाठागांव के साईं विला में जमीन खरीदकर बंगला बनाया। वर्तमान में उक्त बंगले की कीमत 10 करोड़ रुपए से ज्यादा है।

जितने एरिया का नक्शा पास, उससे दोगुना निर्माण

सूत्रों के मुताबिक, तोमर भाइयों ने दो हजार स्क्वेयर फीट क्षेत्र मकान बनाने नगर निगम में नक्शा पास कराया था। बंगले का निर्माण दो हजार की जगह पांच हजार स्क्वेयर फीट में कराने का आरोप है। नगर निगम की टीम तोमर भाइयों के घर इन्हीं दस्तावेजों की जांच करने पहुंची थी।

तोमर ब्रदर्स ने सूदखोरी और वसूली के लिए पाले थे 37 गुंडे, इनमें से 25 गायब

कथावाचक के पैसों से सूदखोरी का साम्राज्य

सूत्रों के मुताबिक, पंडित से ब्लैकमेल करने के बाद तोमर भाई मध्यप्रदेश के एक कथावाचक के संपर्क में आए। तोमर भाइयों ने उक्त कथावाचक के रायपुर में कई आयोजन कराए। इसके बाद उस कथावाचक का किसी भद्र महिला के साथ अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल कर उगाही की। उसी उगाही की रकम से दोनों भाइयों ने सूदखोरी का साम्राज्य स्थापित किया। तोमर भाइयों के ब्लैकमेल से परेशान होकर कथावाचक ने रायपुर में कार्यक्रम करने से तौबा कर ली।

कई प्रॉपर्टी खरीदने पुलिस को मिला इकरारनामा

छापे के दौरान पुलिस को तोमर भाइयों द्वारा पांच से ज्यादा प्रॉपर्टी खरीदने इकरारनामा करने के दस्तावेज मिले हैं। जिन लोगों के साथ प्रापर्टी खरीदने वीरेंद्र तथा रोहित ने करार किया है, पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है। पुलिस को आशंका है कि जिन लोगों से तोमर भाइयों ने प्रॉपर्टी खरीदने इकरारनामा किया है। उन्हें कर्ज के जाल में फंसाकर उनसे प्रॉपर्टी खरीदने करार कराया गया है।

व्यापम के बाद यूपीएससी से भी मोह भंग! सिर्फ 35% पहुंचे इंजीनियर बनने

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

व्यावसायिक परीक्षा मंडल की परीक्षाओं में उपस्थिति का आंकड़ा कम रहना सामान्य बात हो चुकी है, लेकिन अब पीएससी और यूपीएससी की परीक्षाओं में भी ऐसा होने लगा है। रविवार को संघ लोक सेवा आयोग द्वारा इंजीनियरिंग सर्विस परीक्षा आयोजित की गई। इस परीक्षा में छत्तीसगढ़ में उपस्थिति का आंकड़ा सिर्फ 35.48% रहा। आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की संख्या के आधार पर परीक्षा केंद्रों और पर्यवेक्षकों की व्यवस्था की गई थी। कैंडिडेट्स के ना पहुंचने के कारण सेंटर सूने-सूने ही रहे।

- सूने-सूने रहे परीक्षा केंद्र, कड़ी जांच के बाद मिला प्रवेश

यूपीएससी ने इसके लिए सिर्फ रायपुर में ही केंद्र बनाया गया था। राज्यभर से आवेदन करने वाले कैंडिडेट्स परीक्षा दिलाने रायपुर पहुंचे। राजधानी में इसके लिए 6 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। इसके लिए 2001 अभ्यर्थियों ने फॉर्म भरे। इनमें से मात्र 710 ही उपस्थित रहे। शेष 1291 कैंडिडेट्स परीक्षा दिलाने ही नहीं पहुंचे। इस तरह से 74.52% अभ्यर्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा केंद्रों को लेकर पहले ही निर्देश जारी कर दिए गए थे।

तीन चरणों में होगी परीक्षा

यूपीएससी इंजीनियरिंग सर्विस भर्ती की पूरी प्रक्रिया तीन चरणों में आयोजित की जाएगी। सभी के लिए अलग से प्रवेश पत्र जारी किया जाएगा। रविवार को प्रथम चरण की परीक्षा आयोजित की गई थी। इसके लिए प्रवेश पत्र 28 मई को जारी कर दिए गए थे। प्रारंभिक परीक्षा में सफल परीक्षार्थियों का चयन मुख्य परीक्षा में होगा। इसके बाद उन्हें साक्षात्कार के लिए बुलाया जाएगा। यूपीएससी की अन्य परीक्षाओं की तरह इंजीनियरिंग भर्ती परीक्षा में भी कड़े सुरक्षा नियम लागू किए गए थे। केंद्र में जैमर लगाए जाने के साथ ही कड़ी सुरक्ष जांच के बाद परीक्षार्थियों को केंद्र में प्रवेश दिया गया।

सुबह 7 बजे रवाना हुई सामग्री

परीक्षा दो पालियों में हुई। पहली पाली की परीक्षा सुबह 9.30 से 11.30 तक तथा दूसरी पाली की परीक्षा दोपहर 2 से 5 बजे तक आयोजित की गई। पहली पाली की परीक्षा सामग्री इंस्पेक्टिंग अधिकारी के नेतृत्व में सुबह 7 बजे भेजी गई, जो केंद्राध्यक्ष को परीक्षा प्रारंभ होने के एक घंटे पहले दी गई। इसी तरह दूसरी पाली के लिए परीक्षा सामग्री दोपहर 12 बजे रवाना हुई। केंद्राध्यक्षों को परीक्षा प्रारंभ होने के एक घंटे के भीतर उपस्थित कैंडिडेट्स की जानकारी साझा करने कहा गया था। दूरभाष के माध्यम से यूपीएससी के निर्देशों का पालन करते हुए परीक्षा में शामिल कैंडिडेट्स की जानकारी दी गई।

सदस्यों का विरोध

फार्मेसी काउंसिल में पंजीयन और नवीनीकरण शुल्क में तीन गुना बढ़ोतरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ फार्मेसी काउंसिल में रजिस्ट्रेशन और नवीनीकरण के शुल्क में तीन गुना तक वृद्धि किए जाने का विरोध शुरू हो गया है। पूर्व में 5 साल का पंजीयन शुल्क 2650 था, जिसे बढ़ाकर 8319 रुपए कर दिया गया है। राज्य से बाहर के विद्यार्थियों को इसके लिए 11859 रुपए खर्च करने होंगे। शुल्क में की गई वृद्धि घटाने स्वास्थ्य सचिव से पहल करने की मांग की गई है। फार्मेसी काउंसिल के सदस्य भगतराम शर्मा एवं पदेन सदस्य डॉ. राकेश गुप्ता ने स्वास्थ्य सचिव को पत्र लिखकर ⏭शेष पेज 13 पर

इतना बढ़ाया

पूर्व में पंजीयन नवीनीकरण का शुल्क बिना विलंब राशि के 1829 रुपए हुआ करता था, जिसे बढ़ाकर 4602 रुपए कर दिया गया है। इस तरह नवीनीकरण शुल्क में 2773 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। सालभर विलंब शुल्क 2429 था, जिसे बढ़ाकर 8732 रुपए कर दिया गया है। यानी इस में 6303 रुपए की वृद्धि कर गरीब परिवारों पर अतिरिक्त वित्तीय भार दिया गया है। इसी तरह काउंसिल के सदस्यों को पूर्व में प्रति बैठक 3 हजार रुपए सीटिंग अलाउंस और यात्रा के लिए दस रुपए ⏭शेष पेज 13 पर

मर्ज हुए स्कूलों का यूडायस कोड होगा एक, टीसी की आवश्यकता समाप्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

एक ही बिल्डिंग या कैंपस में संचालित होने वाले विद्यालयों को मर्ज किए जाने के बाद अब इनका यूडायस कोड भी एक ही होगा। युक्तियुक्तकरण के तहत एक ही भवन में संचालित होने वाले प्राथमिक, माध्यमिक, हाईस्कूल तथा हायरसेकंडरी विद्यालय को मर्ज करके अब एक ही विद्यालय बना दिया गया है।

हायरसेकंडरी विद्यालय को जो यूडायस कोड पूर्व में प्रदान किया गया था, वही कोड अब प्राथमिक और माध्यमिक शालाओं के लिए भी मान्य होगा। गौरतलब है कि यूडायस कोड को यूनीफाइड डिस्ट्रिक्ट इन्फॉर्मेशन सिस्टम फॉर एजूकेशन भी कहा जाता है। यह एक 11 अंकों का कोड है, जो हर स्कूल को दिया जाता है। यह कोड स्कूल की पहचान का एक विशिष्ट तरीका है, जैसे आधार कार्ड व्यक्ति की पहचान के लिए होता है।

- युक्तियुक्तकरण : 6वीं और 9वीं कक्षा में प्रवेश के लिए जरूरी होता था स्थानांतरण प्रमाण पत्र
- हायरसेकंडरी का यूडायस कोड ही पहली से बारहवीं तक होगा मान्य

अपडेट होगा सिस्टम

मर्ज हुए स्कूलों को नया यूडायस मिलने के बाद अब सिस्टम में भी इसे अपडेट किया जाएगा। मेंटनेंस सहित वार्षिक गतिविधियों और अन्य कार्यों के लिए प्रदान की जानी वाली राशि अब एक ही यूडायस कोड के अधीन मिलेगी। शिक्षकों का डाटा भी एक ही यूडायस कोड के अधीन होगा। इसके अलावा अन्य सभी कार्य जो स्कूलों को अलग-अलग संस्था मानकर पृथक रूप से किए जा रहे थे, वे भी अब मर्ज होंगे।

इस सत्र से टीसी नहीं

एक ही कैंपस में संचालन होने के बाद भी पांचवी कक्षा के बाद छठवीं में प्रवेश लेने के दौरान तथा आठवीं कक्षा के बाद नवमी में प्रवेश के दौरान छात्रों को स्थानांतरण प्रमाण पत्र की आवश्यकता होती थी। ऐसा इसलिए क्योंकि इस स्कूलों के यूडायस कोड अलग-अलग थे। किसी भी अलग यूडायस वाले विद्यालय में प्रवेश के लिए स्थानांतरण प्रमाणपत्र अनिवार्य होता है। चूंकि यूडायस कोड एक ही हो गया है, इसलिए अब टीसी की जरूरत नहीं होगी। इससे विद्यालयों और छात्रों को अनावश्यक कागजी कार्रवाई से राहत मिलेगी।

दो दिन भारी गर्मी पड़ने के आसार, राजधानी सबसे गर्म

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश में अगले दो दिन तक भारी गर्मी पड़ने के आसार हैं, इसके पहले ही राजधानी का तापमान सबसे अधिक गर्म हो चुका है। रविवार को दिन में भारी गर्मी के बाद दोपहर में बादल छाए, मगर इससे कोई राहत नहीं मिली। अभी मौसम में बदलाव होने की उम्मीद काफी कम है, क्योंकि दो पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हैं। मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों के मुताबिक, एक पश्चिमी विक्षोभ 54 डिग्री पूर्व और 25 डिग्री उत्तर में ⏭शेष पेज 13 पर

पाठक सूचना
हरिभूमि के सुधि पाठकों को
अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें
9827555678, 8224868411

खबर संक्षेप

आरंग से दीपक ने केबीसी के लिए दिया आडिशन

आरंग। सोनी टीवी चैनल के कौन बनेगा करोड़पति प्रतियोगिता हेतु दिल्ली के जनकपुरी के हैप्पी मांडल स्कूल में 31 मई व 1 जून को हुए ऑडीशन में आरंग के प्रतिभावान व्यवसायी अग्रसेन योगासन में नियमित रूप से आने वाले दीपक गुरु गोश्वामी भी शामिल हुए, किंतु उनका चयन आगे नही हुआ। अग्रसेन योगासन शाखा के सदस्यों ने आने पर उन्हें सम्मानित किया एवं आगे और मेहनत कर हाट सीट तक पहुंचने की शुभकामनाएं दी। बधाई देने वाले में बृजेश अग्रवाल, अभिनेष अग्रवाल, अमिताभ अग्रवाल, ओम गुप्ता, शंकर पाल, गोपाल पाल, बलराम साहू, रामकुमार कंसारी एवं अशोक कुमार ठाकुर उपस्थित थे।

स्टेट बैंक के पास सट्टे का खुलेआम खेल, कई परिवार तबाही की कगार पर

तिल्दा नेवरा। नगर में जुआ और सट्टा का बाजार हमेशा चोरी छिपे चलता रहा है। मगर ऐसा खुला सट्टे का खेल पहले कभी नहीं देखा, जो अभी बेखौफ होकर चलाया जा रहा है। आजकल बच्चों के खर्चे पहले की तुलना में काफी बढ़ गए हैं। घर से मिलने वाले छोटे जेब-खर्च से उनका काम नहीं चलता। साथ ही पिता का बिजनेस संभालने की नई जिम्मेदारी जब युवा बेटे के ऊपर आती है, तो अक्सर उतावले-पन में जल्दी करोड़-पति बनने की सनक में यह युवा सट्टे और जुआ जैसे गलत साधनों के चक्कर में फँस जाते हैं। जिन माँ बाप ने कभी ताश की गड्डी नहीं देखी हो, उनके बच्चे अगर बर्बादी के इस कुचक्र में फँस जाएं तो यह सचमुच दुर्भाग्यपूर्ण है। कई करोड़पति परिवार इस सट्टे , ऑनलाइन सट्टे के खेल के चलते कंगाल हो गए हैं। इस गैर-कानूनी भयानक कारोबार की जड़ें कहां तक फैली हैं।

निधन

साक्षी निषाद

तिल्दा-नेवरा। नेवरा के पार्षद सतीश निषाद की सुपुत्री कुमारी

साक्षी निषाद उम्र 18 वर्ष की निधन हो गया। वे कुछ महीनों से अस्वस्थ थी। रविवार को नेवरा के मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया।

प्री-मानसून की बारिश के समय खपत साढ़े तीन हजार मेगावाट तक आ गई थी, अब छह हजार मेगावाट के आस-पास हो रही

बारिश न होने से बिजली की खपत पहुंची 6000 मेगावाट, पर दिक्कत नहीं, सोलर का भी सहारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश में मानसून का आगमन तो हो गया है, लेकिन अभी मानसून के पूरे प्रदेश में न पहुंचने के कारण ज्यादातर स्थानों पर बारिश नहीं हो रही है। ऐसे में बिजली की जो खपत बारिश होने कारण 35 सौ मेगावाट के आस-पास पहुंच गई थी अब छह हजार मेगावाट के आस-पास पहुंच गई है। एसी और कूलरों के चलने के कारण खपत ज्यादा हो रही है। इस समय एक ही राहत है कि कृषि पंप नहीं चल रहे हैं। वैसे इस बार गर्मी में खपत सात हजार मेगावाट के पार जा चुकी है। मानसून में भी बारिश न होने से उमस के कारण खपत कभी भी छह हजार मेगावाट के पार हो जाती है। इतनी ज्यादा खपत के बाद भी परेशानी न होने का एक बड़ा कारण यह भी है, छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी को करीब हजार मेगावाट बिजली सोलर से भी मिलने लगी है। यह बिजली अपने प्रदेश से कम लेकिन दूसरे राज्यों से ज्यादा मिल रही है। सेंट्रल सेक्टर का शेयर भी साढ़े तीन हजार मेगावाट है।

प्रदेश में बिजली की खपत में लगातार इजाफा हो रहा है। इसके पीछे का कारण यह है कि एक तो प्रदेश में उपभोक्ताओं की संख्या में इजाफा हो रहा है, इसी के साथ एसी और कूलरों की संख्या में भी भारी इजाफा हो रहा है। आज गांवों में भी थोक में एसी लगने के कारण खपत का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। पहले कभी खपत छह हजार मेगावाट तक नहीं जाती थी, लेकिन इस बार फरवरी में जहां खपत छह हजार मेगावाट के पार गई, वहीं मार्च में यह खपत 65 सौ मेगावाट के पार हुई। इसके बाद अप्रैल में खपत सात हजार मेगावाट के भी पार गई। मई में भी खपत का ग्राफ ज्यादा रहा। लेकिन मई के अंतिम सप्ताह में देश में मानसून आने के बाद बस्तर में आने के कारण इसके असर से प्रदेश भर में जो प्री मानसून की बारिश हुई उसके कारण खपत कम हो गई थी।लेकिन अब जून में खपत का ग्राफ फिर से बढ़ गया है।

बिजली की कमी नहीं

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के उत्पादन संयंत्रों की क्षमता 2960 मेगावाट है, लेकिन उत्पादन हमेशा 25 से 26 सौ मेगावाट होता है। इसी के साथ सेंट्रल सेक्टर से भी साढ़े तीन हजार मेगावाट का शेयर है। ऐसे में पॉवर कंपनी के पास आसानी से छह हजार मेगावाट बिजली हो जाती है। इस समय खपत छह हजार सौ मेगावाट के अंदर ही हो रही है। अपना उत्पादन दो हजार से ढाई हजार मेगावाट तक हो जाता है। बाकी बिजली सेंट्रल सेक्टर से लेकर पूर्ति की जा रही है।

मानसून में बन चुका है खपत का रिकॉर्ड

मानसून के समय आमतौर पर बिजली की खपत चार हजार मेगावाट से भी कम होती है। लेकिन बीते साल मानसून के समय अगस्त में बारिश न होने के कारण उमस के कारण बिजली की खपत 63 सौ मेगावाट तक गई थी। इस बार भी मानसून में बारिश न होने पर खपत 65 सौ मेगावाट तक चले जाए ता आश्चर्य नहीं होगा।

जलापूर्ति एवं पाइप लाइन के विस्तार से वार्डवासियों में हर्ष

हरिभूमि न्यूज ⏭ अभनपुर

नगर पालिका अभनपुर के संत शिरोमणि बाबा गुरुघासीदास वार्ड क्रमांक 5 में लंबे समय से चल रहे पेयजल संकट को दूर करने के लिए नगरपालिका अध्यक्ष उत्रसेन गहिरवारे और वार्ड पार्षद आसकरण गिलहरे के प्रयासों से नया बोर, मशीन और मोटर लगाने का कार्य सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसके साथ ही वार्ड में पाइपलाइन का विस्तार और पेयजल टंकी निर्माण का भी कार्य तेजी से प्रगति पर है, जिससे आने वाले दिनों में पानी की समस्या से राहत मिलने की पूरी संभावना है। यह कार्य वार्डवासियों की बुनियादी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है।

वार्डवासियों ने जताई खुशी सराहे गए नपा के प्रयास

उक्त कार्य से वार्ड में हर्ष का वातावरण है। स्थानीय लोगों ने नगरपालिका और पार्षदों का आभार जताया। इस अवसर पर पार्षद वीरेंद्र सिन्हा, पार्षद प्रतिनिधि धनेश्वर साहू, अप्पू तिवारी, खोरबाहरा मार्कण्डेय, धरम गायकवाड़, किशन कुर्रे, सत्यप्रकाश कुर्रे, देवेंद्र कुर्रे सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी तथा पालिका के कर्मचारी उपस्थित रहे। नगरपालिका अध्यक्ष उत्रसेन गहिरवारे ने कहा कि नगर के हर वार्ड में मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है।

प्रदेश के जन कवि लक्ष्मण मस्तुरिया एक अमर विरासत : अनुज शर्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ धरसींवा

छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध जन कवि स्वर्गीय श्री लक्ष्मण मस्तुरिया जी की जयंती पर धरसींवा विधायक पद्मश्री अनुज शर्मा ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किये और श्री शर्मा ने एक सभा में शामिल होकर अपने उदबोधन में विचार व्यक्त किए, जिसमें उन्होंने मस्तुरिया जी के योगदान को रेखांकित किया। इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा ने कहा कि मस्तुरिया जी केवल एक कवि नहीं थे, बल्कि वह छत्तीसगढ़ की मिट्टी की आवाज थे। उनकी रचनाओं में यहां की संस्कृति, यहां के लोगों की भावनाएं और यहां की समस्याएं मुखर रूप से सामने आती थीं, उसके हर गीत में एक संवेदना, हर पंक्ति में एक चेतना और हर कविता में एक आंदोलन की लहर थे। उसकी हर पंक्तियां उनकी कविताओं की गहराई और प्रभावशीलता को दर्शाती हैं। उनके गीत केवल मनोरंजन के लिए नहीं थे, बल्कि वे समाज में जागरूकता लाने और बदलाव की प्रेरणा देने का माध्यम भी थे। श्री शर्मा ने कहा कि लक्ष्मण मस्तुरिया जी ने अपनी भाषा, बोली और गीतों के माध्यम से इतिहास रचने का काम किया। उन्होंने दिखाया कि कैसे एक जन कवि अपनी कला के जरिए समाज और संस्कृति को नई दिशा दे सकता है। श्री शर्मा ने कहा कि आज भी लक्ष्मण मस्तुरिया जी छत्तीसगढ़ की जनता के दिलों में जीवित हैं। उनके गीत, उनकी धुनें और उनके विचार आज भी लोगों को प्रेरित करते हैं। विधायक ने अपनी श्रद्धांजलि में कहा, /"लक्ष्मण मस्तूरिया जी, आप हमेशा हमर माटी म जीवित राइहव आप मन के मया, आप मन के स्वर, हमर प्रेरणा रइही।/" यह सच है कि एक सच्चा कलाकार अपनी कला के माध्यम से अमर हो जाता है।

10 किसानों को 32 साल बाद मिला जमीन का मालिकाना हक

रायपुर। रायपुर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले चम्पारण धाम के 10 किसानों के चेहरों पर आखिरकार 32 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद मुस्कान लौट आई। सांसद एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के हस्तक्षेप से इन किसानों को उनकी जमीन का मालिकाना हक मिल गया है। किसानों ने 32 वर्षों से लंबित पंजीयन और प्रमाणीकरण की प्रक्रिया पूरी होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सांसद का आभार जताया।

सशिमं में प्रतिभावान विद्यार्थियों का सम्मान

अभनपुर। सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, अभनपुर में कक्षा 5वीं, 8वीं, 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले भैया-बहनों को विद्यालय परिवार एवं समिति सदस्यों द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया। विशेष रूप से जिला स्तर पर स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के पालकों को श्रीफल एवं शाल भेंट कर सम्मानित किया गया। यह आयोजन न केवल विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना, बल्कि पालकों के सहयोग और समर्पण को भी सार्वजनिक रूप से सराहा गया।

इस अवसर पर ज्ञान भारती शिक्षण समिति के अध्यक्ष मोहन लाल अग्रवाल ने विद्यार्थियों को भविष्य में और अधिक मेहनत कर सफलता की ऊँचाइयों को छूने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि /"नियमित अभ्यास, अनुशासन और लगन ही सफलता की कुंजी है।कार्यक्रम में व्यवस्थापक प्रदीप शर्मा, समिति सदस्य दिनेश गिरेपूंजे, रत्नेश राय, वरुण राठी, नितेश सलावत, अनिल गुप्ता, प्राचार्य रूपचंद साहू, शिक्षिका हेमलता सिन्हा, भुवन लाल निषाद, किरण साहू, टिकेन्द्र साहू तथा अभिभावक टकेश्वर सिन्हा, निकेश पटेल, अंजनी सिन्हा, संदीप लोहरा, की गाड़ा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। विद्यालय द्वारा आयोजित यह सम्मान समारोह विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने और अभिभावकों को विद्यालय के प्रति और अधिक सहयोगी बनाने की दिशा में एक सराहनीय प्रयास रहा।

पेंशनर्स एसोसिएशन की आपात बैठक में महंगाई भत्ता भुगतान में विलंब पर रोष

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

पेंशनर्स एसोसिएशन की आपात बैठक में महंगाई भत्ता भुगतान में विलंब पर रोष

छत्तीसगढ़ अधिकारी कर्मचारी पेंशनर्स एसोसिएशन रायपुर शनिवार को कर्मचारी भवन रायपुर में एक आपात बैठक आयोजित की गई। यह बैठक प्रांतीय महामंत्री उमेश मुदलियार एवं जिलाध्यक्ष श्री पंकज नायक के नेतृत्व में संपन्न हुई। बैठक में बड़ी संख्या में पेंशनर साथियों ने भाग लिया और छत्तीसगढ़ शासन द्वारा दिनांक 1 मार्च 2025 से 3% महंगाई भत्ता बढ़ाकर कुल 53% किए जाने के बावजूद इसे मई माह की पेंशन में सम्मिलित न किए जाने पर तीव्र रोष प्रकट किया। शासन के वित्त विभाग के निर्देश क्रमांक 18/2025 दिनांक 14/05/2025 के अनुसार यह आदेश जारी किया गया था, किंतु न तो संशोधित भत्ता प्राप्त हुआ और न ही मार्च से मई 2025 तक का एरियर दिया गया। पेंशनर्स साथियों ने एक स्वर में विरोध व्यक्त करते हुए यह निर्णय लिया कि भारतीय स्टेट बैंक, केंद्रीयकृत पेंशन प्रक्रिया केंद्र, बाल आश्रम परिसर, कचहरी चौक, रायपुर के मुख्य प्रबंधक से भेंट कर यह मांग की जाएगी कि जून माह की पेंशन में संशोधित भत्ता शामिल किया जाए तथा लंबित एरियर (मार्च से मई) शीघ्र अति शीघ्र प्रदान किया जाए। इसी अवसर पर एसोसिएशन द्वारा दो दिवसीय सदस्यता अभियान का भी आयोजन किया गया, जिसमें रायपुर जिले के लगभग 50 पेंशनर साथियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर एसोसिएशन की सदस्यता ग्रहण की तथा अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई। इस अभियान में एसोसिएशन के प्रमुख पदाधिकारीगण पंकज नायक जिलाध्यक्ष, उमेश मुदलियार प्रांतीय महामंत्री, विमल कुंडू संभागीय अध्यक्ष, विश्वनाथ ध्रुव उपाध्यक्ष, विजय झा संरक्षक, बीपी कुरील कोषाध्यक्ष, यशवंत भोंसले महामंत्री, बेनी राम गायकवाड़ सचिव, सलाहकारगण वायआर सोनी, राकेश त्रिवेदी, महेश ठाकुर, श्री परमार, आनंद टोप्पो, रमेश पटेरिया, व्हीके विरानी, एमआर चन्द्राकर, राजेश देवांगन, राही रियाज, श्री निरापुरे, लक्ष्मण प्रसाद पनका अध्यक्ष आरंग तहसील, एसोसिएशन के महिला प्रकोष्ठ से उषा सोनी तथा शिक्षा विभाग से प्यारेलाल सेन अपने साथियों सहित एवं रवि साहू उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी पेंशनर साथियों ने एसोसिएशन की गतिविधियों की सराहना करते हुए एकजुटता, सहभागिता और संगठन को मजबूत करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की। एसोसिएशन की ओर से सभी सम्मानित उपस्थितजनों का हार्दिक स्वागत एवं आभार व्यक्त किया गया।

पश्चिम विधानसभा में कांग्रेस ने निकाली संविधान बचाओ यात्रा

रायपुर। प्रदेश में कांग्रेस संविधान बचाओ यात्रा निकाल रही है। इसी कड़ी में रविवार को रायपुर पश्चिम विधानसभा में संविधान बचाओ यात्रा निकाली गई। कबीर चौक पर आमजनों सहित कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने संविधान बचाने की शपथ ली। यात्रा के दौरान कांग्रेसियों का आरोप था कि संविधान खतरे में है, इसलिए हिंदुस्तान को वे जगा रहे हैं। कांग्रेसियों का कहना है कि छत्तीसगढ़ संविधान का झंडा उठाएगा और संविधान बचाएगा। संविधान बचेगा तो लोकतंत्र बचेगा, तभी भारत बचेगा। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के कोने-कोने में संविधान बचाने के लिए यात्रा निकाली जा रही है। रायपुर पश्चिम विधानसभा अंतर्गत गोकुल नगर से कबीर चौक तक संविधान बचाओ यात्रा निकाली गई। यात्रा कबीर चौक पहुंचने के बाद आमजनों सहित कांग्रेसजनों ने संविधान बचाने की शपथ ली।

किसानों की बुलंद आवाज, हक की लड़ाई को देंगे नई धार

धरसींवा। ब्लाक मुख्यालय से लगे ग्राम पंचायत सड्डू निवासी धर्मेंद्र वर्मा अब प्रदेश के किसानों की आवाज को और भी बुलंद करने जा रहा है। हाल ही में घोषित छत्तीसगढ़ किसान कांग्रेस की नवगठित कार्यकारिणी में, प्रदेश अध्यक्ष अभिषेक मिश्रा ने दूरदर्शिता दिखाते हुए अंचल के ग्राम सड्डू के इस जुझारू नेता को प्रदेश महामंत्री जैसा अहम पद सौंपकर, किसानों के हक की लड़ाई को एक नई धार दी है। धर्मेंद्र वर्मा का राजनीतिक सफर संघर्ष और समर्पण से भरा रहा है। पूर्व में रायपुर ग्रामीण जिला किसान कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में, उन्होंने किसानों की समस्याओं को मंच से लेकर सड़क तक पुरजोर तरीके से उठाया। उनकी नेतृत्व क्षमता और किसानों के प्रति गहरी संवेदनशीलता ने उन्हें पहचान दिलाई। इसके बाद, प्रदेश सचिव के तौर पर भी उन्होंने अपनी जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया, हर छोटे-बड़े कार्यक्रम में सक्रियता दिखाते हुए कांग्रेस पार्टी को मजबूत किया। उनकी इसी सक्रियता और किसानों के प्रति अटूट निष्ठा को देखते हुए, प्रदेश अध्यक्ष मिश्रा ने अब उन्हें सीधे प्रदेश महामंत्री की महत्वपूर्ण भूमिका सौंपी है। यह नियुक्ति केवल एक पदोन्नति नहीं, बल्कि किसानों के लिए न्याय और सम्मान सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

अंचल में खुशी की लहर

बता दे कि धर्मेंद्र वर्मा की इस अहम नियुक्ति से रायपुर जिले सहित पूरे प्रदेश के कांग्रेसजनों और किसानों में खुशी की लहर दौड़ गई है। उन्हें बधाईयों का तांता लगा हुआ है, क्योंकि हर कोई जानता है कि वर्मा जी का जमीनी जुड़ाव और किसानों के साथ उनका सीधा संबंध उन्हें इस नई भूमिका में एक सच्चा जननायक साबित करेगा। यह उम्मीद की जा रही है कि उनके नेतृत्व में छत्तीसगढ़ किसान कांग्रेस किसानों की समस्याओं को प्रभावी ढंग से सरकार तक पहुंचाएगी और उनके लिए न्याय सुनिश्चित करने में एक निर्णायक भूमिका निभाएगी।क्या धर्मेंद्र वर्मा के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के किसानों की दशकों पुरानी समस्याओं का समाधान हो पाएगा? यह तो आने वाला वक्त बताएगा, लेकिन इतना तय है कि अब किसानों के हक की लड़ाई और भी अधिक दमखम से लड़ी जाएगी।

हाई स्कूल नेवरा के सामने चाकू लहराने वाला युवक गिरफ्तार

तिल्दा नेवरा। नेवरा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली की नेवरा हाई स्कूल के सामने एक युवक धारदार हथियार चाकू लेकर लहराते हुए आने जाने वाले लोगो को डरा धमका रहा है, पुलिस ने मौके पर पहुंची और घेरेबंदी कर आरोपी मनुज साहू पिता मनोज साहू 28 वर्ष ग्राम तुलसी नेवरा निवासी को गिरफ्तार कर एक धारदार चाकू जप्त किया गया। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने धारा 25,27 आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

आरोग्य मंदिर गोढ़ी में दाई बबा दिवस का आयोजित

हमारे बुजुर्ग हमारी धरोहर थीम पर गोढ़ी में 25 बुजुर्गों को नारियल देकर किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

आयुष्मान भारत योजना के तहत संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिर गोढ़ी में शनिवार एक विशेष कार्यक्रम के अंतर्गत दाई बबा दिवस का भावनात्मक आयोजन किया गया। जिसका मुख्य उद्देश्य समाज के बुजुर्गों को सम्मानित कर उनकी गरिमा को प्रतिष्ठित करना रहा। इस आयोजन की थीम /"हमारे बुजुर्ग, हमारी धरोहर/" रही, जिसमें स्थानीय समुदाय ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। इसके पश्चात गांव के लगभग 25-30 वरिष्ठ नागरिकों का पारंपरिक तिलक लगाकर एवं नारियल भेंट कर भावपूर्ण सम्मान किया गया। उपस्थित बुजुर्गों की आंखों में सम्मान और आत्मीयता की झलक देखते ही बनती थी। इस अवसर पर समारोह में उपस्थित सभी बुजुर्गों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

बुजुर्गों के अनुभव, ज्ञान और योगदान को समाज की अमूल्य धरोहर

कार्यक्रम में मौजूद अतिथियों में बिषहत बैस केजू बैस राजेश वर्मा उपसरपंच, स्वास्थ्य कार्यकर्ता, मितानिनें और पंचायत के अन्य पदाधिकारी व ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभी ने अपने वक्तव्यों में बुजुर्गों के अनुभव, ज्ञान और योगदान को समाज की अमूल्य धरोहर बताया। आरोग्य मंदिर के सामुदायिक स्वास्थ अधिकारी डॉ निशा जांगड़े ने कहा, बुजुर्गों का अनुभव और उनका स्नेह किसी भी समाज की जड़ें मजबूत करता है। इस तरह के आयोजनों से हमें अपने सामाजिक मूल्यों को जीवित रखने की प्रेरणा मिलती है। बुजुर्गों ने भी कार्यक्रम को लेकर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि उन्हें ऐसा लगा जैसे वे अपने परिवार में ही हैं।

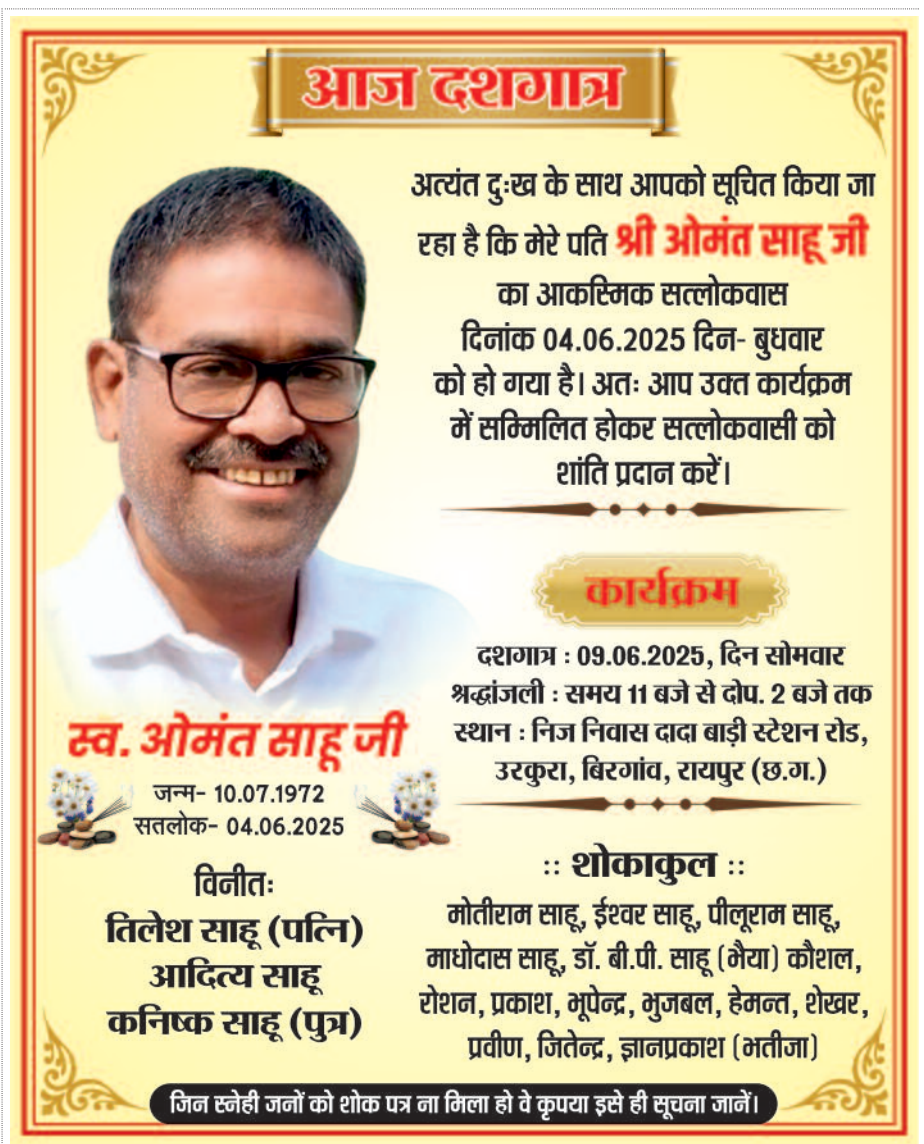

चकल्लस

तू नहीं और सही...

घर में जब बच्चा किसी बड़े खिलौने की जिद करे और आपको मालूम हो कि चंद मिनटों में ही वो उसे तोड़ देगा, तो क्या करते हैं आप? दूसरा

खिलौना जो वो संभाल सके और जिसके टूटने पर आपको अफसोस भी ना हो, वो लाकर पकड़ा देते हैं, हैं ना? ऐसा कुछ प्रदेश के सबसे बड़े विश्वविद्यालय में भी हुआ। हम आपको कबसे बता रहे थे कि दूसरे नंबर वाले साहब बस हटने ही वाले हैं, तो वे हट गए। अब सुनने में आया है कि उनकी जगह जो नए वाले साहब आए हैं, उन्हें दरअसल जाना तकनीकी विवि में था। खुद जोड़-तोड़ भी लगाई। रोते बच्चे को चुप कराने उन्हें कोर्ट के आदेश पश्चात हटाए गए साहब की जगह बैठा दिया। अभी तो वे चुप हैं, लेकिन सुनने में आया है कि तकनीकी विवि के लिए अभी भी उनका जी मचल रहा है।

शादी हो तो ऐसी

बेटी की शादी की खुशी हर पिता को होती है। हमारे जिला शिक्षा कार्यालय के साहब को भी है। लेकिन उनकी खुशी कुछ दोगुनी हो गई। क्या है कि जिन तिथियों में शिक्षकों को अंदर-बाहर करने का फरमान सुनाया जाना था, उन्हीं तारीखों में साहब की बिटिया की शादी थी। फिर क्या था, साहब ने बोरिया-बिस्तर बांधा और चल दिया पड़ोस में। ये वाले साहब प्रेशर नहीं संभाल पाने के लिए फेमस हैं। तो खुशी में उझलते हुए गए। किसी का भी फोन आता, तो दो टूक कहते-शादी है भैया, क्या बताऊं आपको। उनके जगह शिक्षकों से हाथपाई कर रहे मातहत भी पूरे दिन युद्ध के मैदान में अपने सेनापति को याद करके कहते रहे-राजयोग हो तो ऐसा।

अमीरों पर गरीब मार

यह जो युक्तियुक्तकरण वाला झमेला चल रहा है उसमें सबसे ज्यादा रसूखदार ही चपेटे में में आए हैं। मतलब बड़े साहब की बीवी, नेताजी का

भाई, विधायक के रिश्तेदार और पावरफुल लोगों के साले-साली टाइप। ऐसे लोग जिनकी जिंदगी निकल गई शहर में नौकरी करते हुए। उनमें से कुछ तो ऐसे हैं शहर में में ट्रांसफर होने से विचलित हो जाते थे। लेकिन अब...जाना होगा। वे और उनके चेले चपाटे ही हल्ला ज्यादा मचा रहे हैं। क्योंकि जो घर के पास वाले स्कूल में नौकरी करते हुए जिंदगी गुजार दिए, उन्हें पचास किलोमीटर वाला ठिकाना मिला है। इसे कहते हैं अमीरों पर गरीब मार।

तोड़फोड़ का तजुर्बा....

तोड़फोड़ वाले साहब जूनियर को बता रहे थे कि पहले शहर में हमारी क्या धाक हुआ करती थी। एक बार निकले तो सफाचट करके ही लौटते। अब तो काम करने में भी दिक्कत है। स्पॉट पर जाओ तो ऐरा-गैरा नत्थू खैरा मंत्री और नेता के रिश्तेदार होने का हवाला देता है। जरा सी चूक हुई नहीं कि लूप लाइन में भेज देते हैं। पहले दो-चार ही दिग्गज होते थे, उन्हें साध लिया तो समझो काम बन गया। लेकिन अभी...दो सौ-तीन सौ लोग वीआईपी हैं। अभी तो पता ही नहीं चलता, किसका कनेक्शन कहां-कहां है। अब नौकरी करें कि कनेक्शन पता लगाएं।

ऐसे-कैसे चलेगा

रायपुर नगर निगम की मैडम काम करना चाहती हैं। गलत होने पर सख्ती भी दिखा रही हैं। नियमों के खिलाफ काम करने वालों को दंड भी देने का प्रयास कर रही हैं। लेकिन...लेकिन। रायपुर है राजधानी। पूरी सरकार यहां है। खबरी बता रहा था कि हाल यह है कि कोई भी काम करने की शुरूआत होते ही उसे रुकवाने या ठंडे बस्ते में डलवाने वाले सक्रिय हो जाते हैं। काम शुरू होता नहीं उससे पहले फोन आ जाते हैं। छोट-छोटे काम के लिए सरकार चलाने वाले फोन कर रहे हैं। ऐसे कैसे चलेगा।

चिरंजीवी सेंटर पार्ट-2

कुपोषित बच्चों को तंदुरुस्त बनाने सेरीखेड़ी में अस्थायी रूप से शुरू किए चिरंजीवी सेंटर पर अफसरों की कृपा बरसने लगी है। एमसीएच कालीबाड़ी और तिल्दा के अस्पताल में इस योजना के लिए स्वीकृत बेड के लिए पर्याप्त मरीज लाने में नाकाम रहने वाला महिला एवं बाल विकास विभाग इस अस्थायी सेंटर के लिए थोक में बच्चों की व्यवस्था कर रहा है। विभिन्न विभागों के समन्वय से गुप्त रूप से संचालित इस केंद्र पर अफसरों का इतना विश्वास बढ़ गया है कि शासन से इसके नियमित संचालन के लिए साढ़े दस लाख रुपए बजट के रूप में आवंटित करने की तैयारी की जा रही है। विभागीय स्तर पर इस बात की चर्चा जोरों पर है कि चिरंजीवी सेंटर में भले ही बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हो न हो, कई विभागीय अफसर जरूर फल-फूल जाएंगे।

कैसे बदलेगी गरीबों की लाइफ स्टाइल

जिला अस्पताल पंडरी में लाइफ स्टाइल क्लीनिक बनाने के नाम पर लाखों रुपए फूंके जा रहे हैं। डॉक्टर यहां आने वाले लोगों को स्वस्थ रहने के तरीकों को साथ जीवनचर्या और खानपान में बदलाव की

जानकारी देंगे। लाइफ स्टाइल क्लीनिक अभी पूरी तरह बनकर तैयार नहीं हुआ है, मगर इसे लेकर तर्कों का दौर शुरू हो गया है। अनुभवी डॉक्टर का तर्क है कि लाइफ स्टाइल क्लीनिक पर पैसे खर्च करना बेकार है। जरूरत लाइफ स्टाइल सुधारने के बजाय उन जरूरी दवाओं के इंतजाम की है, जिसके लिए मरीजों को मजबूरी में पैसे खर्च करने पड़ते हैं, क्योंकि जिला अस्पताल में ऐसे ज्यादातर गरीब मरीज आते हैं, जिनके पास दवा खरीदने के पैसे तक नहीं होते।

बीयर पर बवाल

जब से यह खबर बाहर आई है कि अब गन्ने के रस की तरह बीयर बेची जाएगी, बवाल मचा हुआ है। लोग कह रहे हैं कि यह क्या है? ऐसे में तो बोतल-वोतल का झंझट ही खत्म हो जाएगा। खबरी बता रहा था कि इससे आम लोग हैरत में हैं। लेकिन शौकीन कह रहे है ठीक ही है...बीयर की बोतल दो सौ की मितली है। कैन भी 170 रुपए की। अगर ग्लास चालीस-पचास रुपए में मिल जाए तो फायदा का सौदा है। कल्पना करके देखिए...दोपहर का टाइम है। गर्मी से परेशान आदमी ठिकाने पर पहुंचा और बोला एक ग्लास बीयर। बंदे ने ड्रम खोला और ग्लास भरकर दे दिया। मदिरा प्रेमियों के लिए इससे अच्छा क्या होगा।

20 साल पढ़ाने वाला अनट्रेंड शिक्षक

छत्तीसगढ़ में स्कूल शिक्षा विभाग में इस समय भारी उथल-पुथल मची है, इस बीच एक शिक्षक से जुड़ा दिलचस्प मामला सामने आया है। हुआ ये है कि एक शिक्षक ने 20 साल तक बच्चों को पढ़ाया, शिक्षा दी और

काबिल बनाया, लेकिन शिक्षा विभाग की बेरहमी देखिए कि शिक्षक को अब तक अप्रशिक्षित यानी अनट्रेंड माना जा रहा है। जबकि नियम ये है कि शिक्षक ने अगर 20 साल की सेवा पूरी कर ली है और उसकी खुद की आयु 50 साल की है तो उसे ट्रेंड माना जाएगा। अब विभाग जब ये मानने को तैयार नहीं हुआ तो मामला कोर्ट में है। कोर्ट ने विभाग से कहा है, दो माह में तय करें कि शिक्षक ट्रेंड हैं या नहीं, यानी अब शिक्षक के 20 साल के अनुभव को मानने या न मानने के लिए दो महीने और इंतजार करना होगा।

धाकड़ नेता

मध्यप्रदेश के भाजपा नेता मनोहर लाल धाकड़ तो याद ही होंगे आपको। अरे वही, जिन्होंने मंदसौर के मुंबई-दिल्ली एक्सप्रेस वे पर कांड किया था। हाईवे पर महिला के साथ उनका वीडियो वायरल हुआ और देश-विदेश में चर्चित हो गए। भाजपा ने उन्हें रुखसत कर दिया। खैर...। ऐसे ही एक धाकड़ नेता का कारनामा इन दिनों छत्तीसगढ़ में चर्चित हो गया है। कबीर धाम जिले में ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष को गांव वालों ने विधवा के साथ रंगे हाथ पकड़ लिया।हाथ सबने मिलकर उस पर हाथ साफ कर दिए। पार्टी ने वीडियो देखा और बाहर का रास्ता दिखा दिया। खबरी का कहना था कि ऐसे धाकड़ नेता हर पार्टी में भरे पड़े हैं। सबको उनकी करतूतें भी पता हैं लेकिन जब तक उनकी धाकड़ परफारमेंस का वीडिया वायरल नहीं होता कोई सवाल नहीं उठाता।

जिया कुरैशी, सुरेंद्र शुक्ला, प्रदीप शर्मा
विकास शर्मा, रुचि वर्मा।

संकल्प से सिद्धि अभियान आज से, कल सीएम साय बताएंगे केंद्र सरकार की उपलब्धियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार के 11 साल पूरे होने पर भाजपा 9 जून से देशभर संकल्प से सिद्धि अभियान प्रारंभ कर रही है। पहले दिन सोमवार 9 जून को राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, और केंद्रीय मंत्रियों द्वारा प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, डिजिटल मीडिया और रीजनल मीडिया से राष्ट्रीय स्तर पर संवाद किया जाएगा। 10 जून को राजधानी रायपुर में प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय केंद्र सरकार की उपलब्धियों की जानकारी देंगे। इसके बाद दो दिनों तक 11 और 12 जून को प्रदेश के मंत्री, सांसद, विधायक और भाजपा के पदाधिकारी प्रदेश भर में केंद्र सरकार की उलब्धियों की जानकारी देंगे।

तय कार्यक्रमों के मुताबिक, 9 जून से 9 जुलाई तक बदलता भारत मेरा अनुभव विषय पर डिजिटल प्रतियोगिता रखी जाएगी, जिसमें अधिकतम लोगों की सहभागिता के लिए प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया जाएगा। कार्यकर्ताओं ने अपने क्षेत्र में जो बदलाव अनुभव किए हैं, उसके वीडियो बनाकर सोशल मीडिया हैंडल पर अपलोड किए जाएंगे।

अलग खबर

डिप्टी सीएम अरुण साव बिलासपुर, विजय शर्मा जगदलपुर में करेंगे चर्चा

मुख्यमंत्री रायपुर में करेंगे चर्चा

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर में 10 जून को मीडिया से चर्चा करेंगे, इस चर्चा का विषय केंद्र की मोदी सरकार के 11 साल का कार्यकाल होगा। इसके बाद 11-12 जून को प्रदेश के मंत्री, सांसद, विधायक और भाजपा के प्रदेश पदाधिकारी अलग-अलग शहरों में मीडिया से चर्चा करके केंद्र सरकार की उपलब्धियों के बारे में चर्चा करेंगे। डिप्टी सीएम अरूण साव बिलासपुर, विजय शर्मा जगदलपुर और केंद्रीय मंत्री तोखन साहू दुर्ग में मीडिया से बात करेंगे। पहले केंद्रीय मंत्रियों के साथ भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं के भी आने का कार्यक्रम तय किया गया था, लेकिन अब इसको बदलकर सारी जिम्मेदारी प्रदेश के नेताओं को ही दी गई है। अब दो दिनों में जिला स्तर पर सांसद, प्रदेश द्वारा निर्धारित वक्ताओं द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस की जाएगी। केंद्र सरकार की 11 वर्ष की उपलब्धियों पर आधारित प्रदर्शनी लगाई जाएगी और प्रोफेशनल मीट का आयोजन किया जाएगा, जिसमें वक्ताओं द्वारा विकसित भारत की संकल्पना एवं हमारी भूमिका, सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 साल तथा सशक्त भारत सुरक्षित भारत विषयों पर संबोधन होगा।

प्री-मानसून की बारिश के समय खपत साढ़े तीन हजार मेगावाट तक आ गई थी, अब छह हजार मेगावाट के आस-पास हो रही

बारिश न होने से बिजली की खपत पहुंची 6000 मेगावाट, पर दिक्कत नहीं, सोलर का भी सहारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश में मानसून का आगमन तो हो गया है, लेकिन अभी मानसून के पूरे प्रदेश में न पहुंचने के कारण ज्यादातर स्थानों पर बारिश नहीं हो रही है। ऐसे में बिजली की जो खपत बारिश होने कारण 35 सौ मेगावाट के आस-पास पहुंच गई थी अब छह हजार मेगावाट के आस-पास पहुंच गई है। एसी और कूलरों के चलने के कारण खपत ज्यादा हो रही है। इस समय एक ही राहत है कि कृषि पंप नहीं चल रहे हैं। वैसे इस बार गर्मी में खपत सात हजार मेगावाट के पार जा चुकी है। मानसून में भी बारिश न होने से उमस के

कारण खपत कभी भी छह हजार मेगावाट के पार हो जाती है। इतनी ज्यादा खपत के बाद भी परेशानी न होने का एक बड़ा कारण यह भी है, छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी को करीब हजार मेगावाट बिजली सोलर से भी मिलने लगी है। यह बिजली अपने प्रदेश से कम लेकिन दूसरे राज्यों से ज्यादा मिल रही है। सेंट्रल सेक्टर का शेयर भी साढ़े तीन हजार मेगावाट है।

प्रदेश में बिजली की खपत में लगातार इजाफा हो रहा है। इसके पीछे का कारण यह है कि एक तो प्रदेश में उपभोक्ताओं की संख्या में इजाफा हो रहा है, इसी के साथ एसी और कूलरों की संख्या में भी भारी इजाफा हो रहा है। आज गांवों में भी थोक में एसी लगने के कारण खपत का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है। पहले कभी खपत छह हजार मेगावाट तक नहीं जाती थी, लेकिन इस बार फरवरी में जहां खपत छह हजार मेगावाट के पार गई, वहीं मार्च में यह खपत 65 सौ मेगावाट के पार हुई। इसके बाद अप्रैल में खपत सात हजार मेगावाट के भी पार गई। मई में भी खपत का ग्राफ ज्यादा रहा। लेकिन मई के अंतिम सप्ताह में देश में मानसून आने के बाद बस्तर में आने के कारण इसके असर से प्रदेश भर में जो प्री मानसून की बारिश हुई उसके कारण खपत कम हो गई थी।लेकिन अब जून में खपत का ग्राफ फिर से बढ़ गया है।

बिजली की कमी नहीं

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के उत्पादन संयंत्रों की क्षमता 2960 मेगावाट है, लेकिन उत्पादन हमेशा 25 से 26 सौ मेगावाट होता है। इसी के साथ सेंट्रल सेक्टर से भी साढ़े तीन हजार मेगावाट का शेयर है। ऐसे में पॉवर कंपनी के पास आसानी से छह हजार मेगावाट बिजली हो जाती है। इस समय खपत छह हजार सौ मेगावाट के अंदर ही हो रही है। अपना उत्पादन दो हजार से ढाई हजार मेगावाट तक हो जाता है। बाकी बिजली सेंट्रल सेक्टर से लेकर पूर्ति की जा रही है।

मानसून में बन चुका है खपत का रिकॉर्ड

मानसून के समय आमतौर पर बिजली की खपत चार हजार मेगावाट से भी कम होती है। लेकिन बीते साल मानसून के समय अगस्त में बारिश न होने के कारण उमस के कारण बिजली की खपत 63 सौ मेगावाट तक गई थी। इस बार भी मानसून में बारिश न होने पर खपत 65 सौ मेगावाट तक चले जाए ता आश्चर्य नहीं होगा।

पश्चिम विधानसभा में कांग्रेस ने निकाली संविधान बचाओ यात्रा

रायपुर। प्रदेश में कांग्रेस संविधान बचाओ यात्रा निकाल रही है। इसी कड़ी में रविवार को रायपुर पश्चिम विधानसभा में संविधान बचाओ यात्रा निकाली गई। कबीर चौक पर आमजनों सहित कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने संविधान बचाने की शपथ ली। यात्रा के दौरान कांग्रेसियों का आरोप था कि संविधान खतरे में है, इसलिए हिंदुस्तान को वे जगा रहे हैं। कांग्रेसियों का कहना है कि छत्तीसगढ़ संविधान का झंडा उठाएगा और संविधान बचाएगा। संविधान बचेगा तो लोकतंत्र बचेगा, तभी भारत बचेगा। पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के कोने-कोने में संविधान बचाने के लिए यात्रा निकाली जा रही है। रायपुर पश्चिम विधानसभा अंतर्गत गोकुल नगर से कबीर चौक तक संविधान बचाओ यात्रा निकाली गई।

तीन माह का चावल एक साथ, शाम 6 बजे के बाद भी खुली रहीं राशन दुकान

- राशन का चक्कर, दुपहिया, तिपहिया वाहनों में ले जा रहे राशन
- छत्तीसगढ़ नगर, संतोषी नगर, संजय नगर में देर शाम तक वितरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी की राशन दुकानों में सुबह से लेकर देर शाम तक उपभोक्ताओं की आवाजाही लगी रही। तीन माह का चावल एक साथ लेने उपभोक्ताओं की भीड़ को देखते हुए रविवार शाम 6 बजे के बाद तक भी कुछ राशन दुकानें खुली रहीं। छत्तीसगढ़ नगर, संजय नगर, टिकरापारा, संतोषी नगर की राशन दुकानें, जो पहले शाम 5 बजे तक बंद हो जाती थीं, वहां रविवार को शाम 6 बजे दुकानें खुली रहीं। दुपहिया, तिपहिया सहित अन्य साधनों से लोग अपने गंतव्य तक राशन ले जाते देखे गए।

प्रदेश में मनाया जा रहा चावल उत्सव

दरअसल गरीब व मध्यम वर्ग के कार्डधारियों को सहूलियत देने राज्य शासन द्वारा इस बार तीन माह का चावल एक साथ वितरण करने प्रदेशभर में चावल उत्सव मनाया जा रहा है। इसके तहत राजधानी रायपुर के विभिन्न वार्डों में संचालित उचित मूल्य की राशन दुकानों में उपभोक्ता तीन माह का राशन लेने उमड़ पड़े हैं। इसके चलते राशन दुकानों में खासी चहल-पहल देखने को मिल रही है। सरोना, सोनडोंगरी, हीरापुर, जरवाय, टाटीबंध, मोहबाबाजार, रामकुंड, आमापारा, लाखेनगर, ब्राह्मणपारा, माठागांव, टिकरापारा, संजय नगर, छत्तीसगढ़ नगर सहित शहर के अन्य हिस्सों की उचित मूल्य की दुकानों में राशन लेने उपभोक्ता पहुंच रहे हैं। सुबह दुकान खुलने से पहले ही कुछ राशन दुकानों में उपभोक्ताओं को राशनकार्ड के साथ 3 माह का राशन लेने कतार लगाते देखा गया।

10 किसानों को 32 साल बाद मिला जमीन का मालिकाना हक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले चम्पारण धाम के 10 किसानों के चेहरों पर आखिरकार 32 वर्षों के लंबे संघर्ष के बाद मुस्कान लौट आई। सांसद एवं पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के हस्तक्षेप से इन किसानों को उनकी जमीन का मालिकाना हक मिल गया है। किसानों ने 32 वर्षों से लंबित पंजीयन और प्रमाणीकरण की प्रक्रिया पूरी होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सांसद का आभार जताया।

श्री अग्रवाल ने कहा, मेरे लिए संतोष और गर्व का विषय है कि चम्पारण जैसे धार्मिक और ऐतिहासिक स्थल से जुड़े किसानों को उनका हक दिला सका।

क्या है मामला

दरअसल 1992 में चम्पारण स्थित श्री महाप्रभु जी प्राकट्य बैठक ट्रस्ट ने मंदिर निर्माण हेतु राशि के लिए मंदिर ट्रस्ट ने 10 किसानों को 24 एकड़ जमीन बेच दी थी, जिसकी पूर्ण राशि उस समय किसानों ने दे दी थी और विधिवत स्टाम्प पेपर पर गवाही सहित एग्रीमेंट भी हुआ था, किंतु ट्रस्ट की जमीन होने के कारण कलेक्टर की अनुमति आवश्यक थी, जो किसानों के सामर्थ्य से बाहर थी। इसके कारण वे पिछले 32 वर्षों से लगातार पटवारी, तहसीलदार, एसडीएम, अपर कलेक्टर एवं कलेक्टर कार्यालय के चक्कर लगाते रहे, लेकिन न्याय नहीं मिल सका। जिसके बाद किसानों ने सांसद बृजमोहन अग्रवाल के समक्ष अपना पक्ष रखा और सभी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किए। इसके बाद श्री अग्रवाल ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जिसके परिणामस्वरूप कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने अनुमति प्रदान की और पंजीयन के बाद ऋण पुस्तिका (किसान किताब) किसानों को दी गई।

सीएम साय से बृजमोहन की मांग, नकटी गांव में विधायक कॉलोनी निर्माण पर लगाएं रोक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पत्र लिखकर ग्राम पंचायत नकटी में छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड द्वारा प्रस्तावित विधायक कॉलोनी के निर्माण पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। उनका कहना है, विधायक कॉलोनी रिक्त स्थान पर बनाई जाए, गरीबों के मकान तोड़कर नहीं। श्री अग्रवाल ने अपने पत्र में कहा, इस भूमि पर 80 से अधिक गरीब परिवार वर्षों से मकान बनाकर निवासरत हैं। इन परिवारों के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत घर बनाए गए हैं। वहीं कई शासकीय भवन सामुदायिक भवन आदि भी इसी भूमि पर स्थित हैं। ग्राम पंचायत एवं ग्रामसभा ने भी इस योजना पर रोक लगाने की बात कही है। इस मामले में पूर्व विधायक देवजीभाई पटेल ने भी सांसद श्री अग्रवाल से मुलाकात कर ग्रामवासियों की पीड़ा साझा की और ज्ञापन सौंपा।

राज्य सरकार की सब्सिडी के इंतजार में पीएम सूर्य घर योजना में आवेदनों की रफ्तार धीमी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना में अपने प्रदेश में केंद्र सरकार के बाद अब राज्य सरकार भी इस योजना में सब्सिडी देने वाली है। इसके लिए बजट में दो सौ करोड़ रखे गए हैं। अब कितने किलोवाट में कितनी सब्सिडी देनी है, यही तय करना बचा है। राज्य सरकार की सब्सिडी के इंतजार में आवेदनों की रफ्तार जरूर मंद पड़ गई है। इस समय योजना में 29 सौ घरों में सोलर पैनल लग गए हैं। 41 हजार से ज्यादा आवेदन भी आ गए हैं। 2027 तक प्रदेश में 1.30 लाख घरों को रोशन करने का लक्ष्य है।

केंद्र सरकार ने घरों की छतों पर बिजली उत्पादन की योजना बनाई है। देश भर में एक करोड़ से ज्यादा घरों की छतों पर बिजली उत्पादन का लक्ष्य सोलर पैनल के माध्यम से रखा गया

■ प्रदेश सरकार भी तैयार कर रही सब्सिडी देने की योजना, बजट में रखे 200 करोड़

है। इसके लिए केंद्र सरकार की तरफ से सब्सिडी भी मिल रही है। हर राज्य के लिए अलग-अलग लक्ष्य रखा गया है। जहां पर छत्तीसगढ़ का सवाल है तो यहां के लिए छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने 2027 तक के लिए सवा लाख से ज्यादा का लक्ष्य रखा है, लेकिन इससे ज्यादा घरों को रोशन करने की योजना है।

अभी 78 हजार तक सब्सिडी

पॉवर कंपनी के अधिकारियों का कहना है योजना में हर आय वर्ग के लोग सोलर पैनल लगाने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इसमें कोई आय सीमा तय नहीं है। हर आय वर्ग वालों को सब्सिडी भी मिलेगी। इसमें केंद्र सरकार से एक किलोवाट पर 30 हजार, दो किलोवाट पर 60 हजार और तीन किलोवाट पर 78 हजार की सब्सिडी मिल रही है। अब राज्य सरकार की सब्सिडी भी तय होने वाली है। संभावना है कि राज्य सरकार से भी तीन किलोवाट में 20 से 30 हजार की सब्सिडी मिल जाएगी। ऐसे में तीन किलोवाट के लिए उपभोक्ताओं को 70 से 75 हजार ही खर्च करने पड़ेंगे। भारत सरकार द्वारा तो प्रति किलोवाट के लिए 50 हजार रुपए तय है, लेकिन अलग-अलग वेंडरों का रेट अलग-अलग होने पर एक किलोवाट पर करीब 70 हजार दो किलोवाट पर 1.20 लाख और तीन किलोवाट पर 1.75 लाख का खर्च लग जाता है।

आवेदनों की रफ्तार धीमी

प्रदेश में इस योजना में बीते साल अप्रैल से सितंबर तक महज सात हजार आवेदन ही आए थे। कम आवेदनों के कारण पॉवर कंपनी ने इस मामले में गंभीरता से ध्यान दिया और इस योजना की जानकारी देने के लिए शिविर लगाने का भी काम किया है। इसका परिणाम यह हुआ है अब 41200 आवेदन आ गए हैं। इसमें से 40300 आवेदनों को मंजूरी भी दे दी गई है। फरवरी में आवेदन करने के लिए केंद्र सरकार ने एक नया पोर्टल लांच किया है। इस पोर्टल में तकनीकी खराबी के कारण पहले ही आवेदन करने में परेशानी हो रही है। अब राज्य सरकार की सब्सिडी के इंतजार में आवेदक आवेदन करने से बच रहे हैं। राज्य सरकार की सब्सिडी में कितने किलोवाट पर कितने की राहत मिलेगी, इसका ऐलान होने के बाद आवेदनों की रफ्तार में इजाफा होने की संभावना है।

बाघों की गणना शुरू, प्रे-बेस बढ़ाने मैत्रीबाग-सफारी से ले जाएंगे चीतल, इंद्रावती टाइगर रिजर्व में पहली बार ट्रैप कैमरे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

हर चार साल में होने वाली बाघों की गणना का काम एक बार फिर से शुरू किया जा रहा है। वर्ष 2022 में बाघों की गणना के बाद वर्ष 2026 में इसकी रिपोर्ट जारी की जाएगी। बाघों की गणना पूरी तरह से तकनीकी आधार पर हो, इस बात को पहले ही ध्यान में रखा जा रहा है। दो दशक के बाद पहली बार बस्तर में बाघों के वास्तविक आंकड़ों की जानकारी हासिल करने इंद्रावती टाइगर रिजर्व सहित नेशनल पार्क कांगेर घाटी में इस बार ट्रैप कैमरे लगाने की योजना है। साथ ही बाघ तथा तेंदुआ विचरण क्षेत्र में प्रे-बेस बढ़ाने जंगल सफारी तथा भिलाई मैत्री बाग जू से चीतल छोड़े जाने की तैयारी की जा रही है।

खास खबर

एपीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ प्रेम कुमार के अनुसार, डब्ल्यूआईआई के दिशा-निर्देशों के आधार पर बाघों की गणना का काम किया जाएगा। बाघों के साथ सभी तरह के वन्यजीवों की आंकड़ों की जानकारी हासिल करने इस बार टाइगर रिजर्व के अलावा तेंदुआ सहित अन्य शेड्यूल-1 प्रजाति के वन्यजीवों के विचरण क्षेत्र में ट्रैप कैमरे लगाने की तैयारी की जा रही है। इनमें अभयारण्य के क्षेत्र में भी ट्रैप कैमरे लगाए जाएंगे। उन इलाकों में तेंदुए सहित अन्य मांसाहारी वन्यजीवों के लिए प्रे-बेस की क्या स्थिति है, ट्रैप कैमरे के माध्यम से इसकी जानकारी जुटाई जाएगी।

बाघ की आमद से बढ़ी उम्मीद : उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में पिछले दिनों एक बाघ की आमद की पुष्टि ट्रैप कैमरे के माध्यम से हुई है। उदंती-सीतानदी में बाघ, तेंदुआ के लिए पर्याप्त संख्या में प्रे-बेस नहीं है। इस बात को ध्यान में रखते हुए जंगल सफारी से 100 चीतल उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व में छोड़े जाएंगे। इसी तरह से गुरु घासीदास नेशनल पार्क, जिसे टाइगर रिजर्व का दर्जा मिला है, वहां भी प्रे-बेस की संख्या कम है। इस बात को ध्यान में रखते हुए भिलाई स्थित मैत्री बाग जू से चीतल ले जाकर छोड़े जाने की जानकारी एपीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ ने दी है।

नक्सल मुक्त होने के बाद इंद्रावती में भी कैमरे लगाने की कवायद

मध्यप्रदेश से भी मांगे चीतल

अफसर के अनुसार, टाइगर रिजर्व सहित अन्य वनक्षेत्रों में बाघ के साथ तेंदुए का प्रे-बेस बढ़ाने मध्यप्रदेश स्थित कान्हा टाइगर रिजर्व से चीतल की मांग की गई है। मध्यप्रदेश में चीते का पुनर्वास किया जा रहा है, इस वजह से एनटीसीए ने चीतल देने से फिलहाल मना कर दिया है। गोमर्डा तथा बार नवापारा में इंडियन गौर बड़ी संख्या में विचरण कर रहे हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा इंतजाम बढ़ाए जाने की जानकारी एपीसीसीएफ ने दी है।

बस्तर में सही स्थिति की अब मिलेगी जानकारी

बस्तर के इंद्रावती टाइगर रिजर्व, कांगेर वैली में बाघ के साथ अन्य वन्यजीवों को लेकर अब तक केवल अंदाजा ही लगाया जाता रहा है। क्षेत्र के नक्सल मुक्त होने की स्थिति में इस बार कांगेर वैली तथा इंद्रावती में ट्रैप कैमरे लगाकर बाघों के साथ अन्य वन्यजीवों के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी। इससे इस क्षेत्र में बाघ के साथ अन्य प्रजाति के वन्यजीवों की तकनीकी आधार पर सही जानकारी मिल पाएगी।

प्रे-बेस की कमी की वजह से भटक कर आ रहे बाघ

गुरु घासीदास नेशनल पार्क समेत कई वनक्षेत्रों से बाघ के साथ तेंदुए शिकार की तलाश में वनक्षेत्र से निकलकर रहवासी क्षेत्र में प्रवेश कर आए हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए वन विभाग के अफसर बिल्ली प्रजाति के दोनों वन्यजीवों को रहवासी तथा अन्य वनक्षेत्र में जाने से रोकने प्रे-बेस बढ़ाने की कोशिश में जुटे हुए हैं।

अचानकमार टाइगर रिजर्व में प्रोटोकॉल का पालन

वर्ष 2022 की गणना रिपोर्ट के अनुसार छत्तीसगढ़ में बाघों की संख्या 17 है। अनुमान के अनुसार बाघों की संख्या बढ़कर 23 या उससे ज्यादा हो चुकी है। इनमें अचानकमार टाइगर रिजर्व में सात के करीब बाघ हैं। अचानकमार टाइगर रिजर्व में एनटीसीए के प्रोटोकॉल के हिसाब से प्रे-बेस बेहतर होने तथा अनुकूल परिस्थिति होने की वजह से बाघों की संख्या बढ़ी है।

खबर संक्षेप

नया बस स्टैंड में सिंधी काउंसिल ने बांटी हेल्थ किट

रायपुर। सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया छत्तीसगढ़ इकाई द्वारा नया बस स्टैंड पर रविवार को हेल्थ किट का वितरण किया गया। सिंधी काउंसिल के प्रदेश अध्यक्ष ललित जैसिंघ ने कहा कि भीषण गर्मी को देखते हुए नया बस स्टैंड में बस ड्राइवर और बस कंडक्टर, बस ट्रैवल के कर्मचारी, कुली, सफाईकर्मी और यात्रियों सभी को हेल्थ किट वितरित की गई। सभी ने दिल से दुआ दी और कहा कि पहली बार कोई संस्था गर्मी में हमारा ध्यान रख रही है। सिंधी काउंसिल की टीम ने जगदलपुर जा रहे एक मुसाफिर को जब किट दी तो उन्होंने कहा, ऐसे नेक कार्य हर संस्था को करने चाहिए। 42 डिग्री में स्वास्थ्य सामग्री देकर आप सभी का ख्याल रख रहे हैं। बस ड्राइवर ने कहा, हमको लंबी दूरी यात्रा करनी होती है। आपकी हेल्थ किट से हमारी सेहत सुरक्षित रहेगी। हेल्थ किट वितरण में सुनील कुकरेजा, सूर्यांश जेठानी, धनेश मटलानी, चंदर देवानी, रितेश वाधवा, तेजकुमार बजाज, महेश खिलनानी आदि उपस्थित थे।

कई वाहनों का रजिस्ट्रेशन होने के दो माह बाद भी नहीं लग पाई एचएसआरपी

नंबर प्लेट में पिछड़ा छत्तीसगढ़, कंपनी की सुस्त रफ्तार, रजिस्ट्रेशन के बाद लंबा इंतजार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

एचएसआरपी लगाने वाली कंपनियों के साथ परिवहन विभाग के अफसरों की बैठक में हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाने में तेजी लाने जारी किए गए फरमान की धज्जियां उड़ रही हैं। बैठक के बाद भी एचएसआरपी लगाने वाली कंपनी मैनपॉवर नहीं बढ़ा पाई है, इस वजह से लोगों के अप्रैल 2019 के पूर्व के वाहनों में एचएसआरपी लगाने में देर हो रही है। वर्तमान स्थिति ऐसी है कि कई वाहन चालक दो माह पूर्व एचएसआरपी लगाने आवेदन दिए हैं, बावजूद इसके उन वाहन मालिकों के वाहन में अब तक एचएसआरपी नहीं लग पाई है। इनमें ज्यादातर ऐसे वाहन स्वामी हैं, जिन लोगों ने किसी समूह के माध्यम से एचएसआरपी लगाने रजिस्ट्रेशन कराया था।

एचएसआरपी लगाने 15 अप्रैल तक की मियाद तय की गई थी। तय मियाद के अनुसार अब तक राजधानी के साथ प्रदेश के महज 20 से 25 प्रतिशत वाहनों में एचएसआरपी नंबर प्लेट लग पाई हैं। रायपुर जिले में अब तक 35 हजार के करीब वाहनों में एचएसआरपी लगाई गई हैं। नंबर प्लेट लगाने पहले की तुलना में आवेदन करने वालों की संख्या बढ़ गई है। एचएसआरपी लगाने जिस अनुपात में आवेदन आ रहे हैं, उस अनुपात में नंबर प्लेट नहीं लगाई जा रही हैं।

एचएसआरपी लगवाने में सबसे पिछड़ा राज्य

पड़ोसी राज्य झारखंड, मध्यप्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना सहित कई राज्यों में अप्रैल 2019 के पूर्व ज्यादातार वाहनों में एचएसआरपी लगाए जा चुके हैं। ओडिशा में छह माह के भीतर एचएसआरपी लगाने का काम पूरा हो चुका है। छत्तीसगढ़ एचएसआरपी लगाने के मामले में अपने पड़ोसी राज्यों की तुलना में फिसड्डी साबित हुआ है।

प्लेट बनाने मशीन की संख्या बढ़ाई गई

परिवहन विभाग का दबाव बढ़ने के बाद एचएसआरपी बनाने वाली एजेंसी ने हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट बनाने मशीनों की संख्या तो बढ़ा दी है, लेकिन मैनपॉवर अब तक नहीं बढ़ाया है। इस वजह से एचएसआरपी लगाने में देर हो रही है। हाई सिक्योरिटी नंबर प्लेट लगाने काउंटर की संख्या भी बढ़ाई गई है। बावजूद इसके प्लेट लगाने में विलंब हो रहा है।

दो महीने से ज्यादा बीता, नहीं लग पाई एचएसआरपी

दो माह पूर्व जहां कैंप लगाए गए थे, वहां वाहन मालिकों ने एचएसआरपी लगवाने रजिस्ट्रेशन कराए थे, उनमें के कई ऐसे हैं, जिनको 15 दिन बाद एचएसआरपी लगाने समय दिया गया था। उनमें से कई वाहन मालिक ऐसे हैं, जिनके वाहन में डेढ़ दो माह बाद भी एचएसआरपी नंबर प्लेट नहीं लग पाई है। बताया जा रहा है कि सेंटरों में नंबर प्लेट बेतरतीब पड़ी हैं। कई के नंबर प्लेट गायब भी हो चुकी हैं।

पुलिस भी नहीं कर पा रही सख्ती

1 अप्रैल 2019 के पूर्व की सभी गाड़ियों में एचएसआरपी लगवाना अनिवार्य है, जो वाहन मालिक एचएसआरपी नहीं लगवाएंगे। उन वाहन मालिकों के खिलाफ कार्रवाई की जानी है। छत्तीसगढ़ में 15 अप्रैल तक सभी पुराने वाहनों में एचएसआरपी लग जाने चाहिए थे। मई तथा जून के दस दिन बीत जाने के बाद भी 25 प्रतिशत पुराने वाहन में एचएसआरपी नहीं लग पाए हैं। इस स्थिति में ट्रैफिक के साथ परिवहन विभाग के अधिकारी एचएसआरपी नहीं लगवाने वाले वाहन मालिकों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर पा रहे हैं। इसकी वजह एचएसआरपी लगाने वाली एजेंसी द्वारा युद्धस्तर पर काम नहीं करना बताया जा रहा है।

तैराकी प्रतियोगिता में 70 खिलाड़ियों ने दिखाया हुनर

5 महिला-5 पुरुष चयनित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

इंटरनेशनल स्वीमिंग पूल में रविवार को सीनियर पुरुष और महिला वर्ग के लिए छत्तीसगढ़ राज्य तैराकी प्रतियोगिता का आयोजन रायपुर संघ और छत्तीसगढ़ तैराकी संघ द्वारा किया गया। इस मौके पर संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि प्रतियोगिता में लगभग 8 जिले के 70 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें 32 इवेंट पुरुष एवं महिला वर्गों में खेले गए।

- प्रतियोगिता में लगभग 8 जिले के खिलाड़ियों ने भाग लिया
- खिलाड़ियों को सांसद बृजमोहन ने दिए शुभकामनाएं

इस दौरान 5 महिलाओं एवं 5 पुरुषों का चयन किया गया है। सीनियर नेशनल भुवनेश्वर में 22 जून से प्रारंभ है। चयनित पुरुष वर्ग में पार्थ श्रीवास्तव, अमर प्रकाश साहू, अभय प्रकाश साहू, रुद्राक्ष साहू, आरव शर्मा और महिला वर्ग में शगुन सिंह, भव्य त्रिवेदी, भूमि गुप्ता, अजिंक्य सिंह, तृप्ति को चयनित किया गया है। इस अवसर पर अध्यक्ष बृजमोहन अग्रवाल, गोपाल खंडेलवाल, शाही राम जाखड़, डॉ. मनीष शुक्ला, नरसिंह फरिकार ने सभी को शुभकामनाएं दीं।

निधन

जय किशोर पांडेय

रायपुर। भनपुरी निवासी पं. जयकिशोर पांडेय (56) का निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 9 जून को दोपहर 12 बजे भनपुरी मुक्तिधाम में किया जाएगा। वे छत्तीसगढ़ी फिल्म के निर्माता स्व. विजय पांडेय के पुत्र, पुष्पा पांडेय के पति एवं सौरभ, आराधना के पिता थे।

दुलारू राम शाकार

रायपुर। पुरानी बस्ती सोनकर पारा निवासी भिलाई स्टील प्लांट से रिटायर्ड दुलारू राम शाकार का 8 जून को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार महादेवघाट श्मशानघाट में किया गया। वे गिरिजा के पति, मधुसूदन शाकार के बड़े भाई और सुषमा, सुमीत, सुरेश एवं सुधीर शाकार के पिता थे।

धोबी समाज का महाधिवेशन 15 जून को, तैयारी में जुटे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

विधानसभा से लगे हुए ग्राम टेकारी में 15 जून को धोबी समाज कूंरा राज धरसींवा परिक्षेत्र का महाधिवेशन होगा। इस कार्यक्रम के अंर्तगत विवाहयोग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन और सामाजिक प्रकरण का निराकरण किया जाएगा। साथ ही प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान और सक्रिय पदाधिकारी का भी सम्मान होगा। यह जानकारी समाज के महिला विंग की अध्यक्ष सुशीला निर्मलकर ने देते हुए बताया कि अधिवेशन में सांसद और विधायक का रजक ताज से अभिनंदन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर समाज के कूंरा राज के अध्यक्ष मंसाराम निर्मलकर, महासचिव हरिश्चंद्र निर्मलकर, महिला पदाधिकारी अनीता निर्मलकर, कल्याणी निर्मलकर, सुशील निर्मलकर, जगनी निर्मलकर, नंदिनी निर्मलकर, ममता निर्मलकर, सरस्वती निर्मलकर, पूर्णिमा निर्मलकर, सुमित्रा निर्मलकर आदि अनेक क्षेत्रिय पदाधिकारी ने उपस्थित होकर अपने विचार रखें। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक अनुज शर्मा, जिला पंचायत की पूर्व अध्यक्ष डोमेश्वरी वर्मा सहित अनेक अतिथियों को आमंत्रित किया गया है। अधिवेशन की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष सूरज निर्मलकर करेंगे। सभापति चार राज नव पार के अध्यक्ष अशोक कुमार निर्मलकर को बनाया गया है।

सेहतमंदी के लिए ओपन जिम-उद्यान महतारी सदन की मिलेगी सुविधा

रायपुर। शहीद भगत सिंह वार्ड के रहवासियों को आने वाले दिनों में सेहतमंदी के लिए ओपन जिम की सुविधा मिलेगी। इसी तरह नया बगीचा विकसित किया जाएगा, साथ ही 3 चरण में 75 लाख रुपए की लागत से महतारी सदन का निर्माण कराया जाएगा। रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत ने रविवार को टाटीबंध में 5.21 करोड़ रुपए की लागत से प्रस्तावित विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। कार्यक्रम में वे बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। भूमिपूजन कार्यक्रम में नगर निगम के लोककर्म विभाग अध्यक्ष दीपक जायसवाल, शहीद भगतसिंह वार्ड पार्षद एवं स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री-सुनील चंद्राकर, जोन 8 अध्यक्ष प्रीतम सिंह ठाकुर, पार्षद मीना ठाकुर, भगतराम हरवंश, अमन सिंह ठाकुर, आनंद अग्रवाल, महेंद्र औसर, अर्जुन यादव, पूर्व पार्षद गोपी साहू, सामाजिक कार्यकर्ता प्रभा दुबे, जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल सहित गणमान्य उपस्थित रहे।

छाबड़ा, बागल, कृतिका और संधू का किया गया सम्मान

रायपुर। आंबेडकर हास्पिटल में रविवार को दशमेश सेवा सोसाइटी के पदाधिकारियों ने छग राज्य अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, इंदिरा गांधी वार्ड के पार्षद अवतार सिंह बागल, एमआईसी राजस्व विभाग के अध्यक्ष कृतिका जैन, चैंबर ऑफ कामर्स के प्रमुख सलाहकार गुरजीत सिंह संधू को शॉल, श्रीफल और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। यह सम्मान मेकाहारा लंगर सेवा के पास दशमेश सेवा सोसाइटी के अध्यक्ष जसबीर सिंह भाटिया, संयोजक प्रीतपाल सिंह होरा और पूर्व अध्यक्ष परविंदर सिंह भाटिया द्वारा किया गया। इस अवसर पर सोसाइटी के राजेंद्र सिंह भूटानी, बॉबी सिंह होरा, बलविंदर सिंह लवली, कंवलजीत सिंह गुंबर, हरजीत सिंह गुंबर, त्रिलोक सिंह सलूजा, रघुवीर सिंह पट्टी, राजकुमार छाबड़ा, सुखबीर सिंह सिंघोत्रा, चीनूजी, ज्ञानी सुरजीत सिंह, हतिंदर पाल सिंह बारा, राजा छाबड़ा, विजय मेहरा, महिला विंग की हरमीत कौर होरा आदि उपस्थित थे।

बिजनेस साइट

अब कुछ दिनों के लिए शेष रह गया है स्वदेशी शिल्प महोत्सव

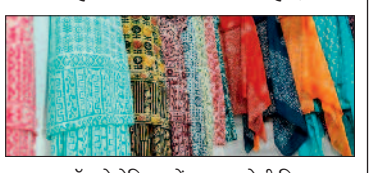

रायपुर। गॉस मेमोरियल में लगा स्वदेशी शिल्प महोत्सव अब कुछ दिनों के लिए शेष रह गया है। महोत्सव अपने समापन अवधि को देखते हुए और ग्राहकों के विशेष मांग पर काफी के फायदे और छूट में प्रावधान किया है। तेज गर्मी को देखते हुए सूती एवं आरामदेह वस्त्रों पर 10% से 20% की विशेष छूट दी जा रही है। साथ ही साथ हथकरघा और हस्तशील वस्तुओं का नायाब कलेक्शन तकरीबन एक लाख से अधिक वैरायटी का एकमात्र संग्रह सिर्फ और सिर्फ गॉस मेमोरियल मैदान में एक ही छत के नीचे शहरवासियों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। प्रदर्शन संचालक अनुराग मिश्रा ने बताया कि प्रदर्शनी अब कुछ ही दिनों के लिए शेष रह गई है, साथ ही शहरवासियों से आव्हान किया है कि अधिक से अधिक संख्या में आएं और साड़ी, गमछे, कार्पेट, क्रॉकरी एवं खादी वस्त्र पर विशेष छूट का लाभ उठाएं। प्रदर्शनी का समय सुबह 11 बजे से लेकर रात्रि 10 बजे तक है।

पेज 11 के शेष ...

ऑटोनॉमस कॉलेजों में...

को प्रेषित की गई है, जिसमें नए नियम का जिक्र है। अंदरूनी सूत्रों के अनुसार, यह कवायद ऑटोनॉमस महाविद्यालयों को पूर्णतः स्वायत्ता प्रदान करने के लिए की जा रही है। ऑटोनॉमस कॉलेज में पढ़ाई की गुणवत्ता सुधर सके तथा नए प्रयोग किए जा सकें, इसलिए अन्य चीजों में स्वायत्ता देने के साथ ही अब प्रवेश संबंधित निर्णय भी कॉलेजों को लेने की छूट होगी। आवेदन तिथि निर्धारित किए जाने से लेकर मेरिट लिस्ट जारी किए जाने का निर्धारण भी कॉलेज स्वयं ही कर सकेंगे।

फार्मेसी काउंसिल में...

बताया है कि पिछले दिनों फार्मेसी काउंसिल की सामान्य सभा की बैठक में शुल्क में बढ़ोतरी के साथ समिति सदस्यों को दिए जाने वाले भत्ते में भी वृद्धि की गई है, जो गैरजरूरी है। स्वास्थ्य सचिव को भेजे गए पत्र में दोनों सदस्यों जिक्र किया गया है कि फार्मेसी काउंसिल की आमसभा में बहुमत का दुरुपयोग किया गया है। शुल्क में बढ़ोतरी किए जाने से विद्यार्थियों पर अनावश्यक व्यय भार बढ़ेगा।

इतना बढ़ाया...

प्रति किलोमीटर के हिसाब से भत्ता प्रदान किया जाता था। इसे बढ़ाकर अब प्रति बैठक 6 हजार रुपए और यात्रा भत्ता को 12 रुपए प्रति किलोमीटर तय किया गया है। दोनों सदस्यों ने स्वास्थ्य सचिव से मिलकर इस समस्या के समाधान की मांग की है।

दो दिन भारी गर्मी...

स्थित है। दूसरा पश्चिमी विक्षोभ लद्दाख और उससे लगे कश्मीर के ऊपर मौजूद है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण हवा की दिशा बदली हुई और अगले 3 दिनों तक स्थिति रहने की संभावना है।

मानसून की गतिविधि शुरू नहीं होने की वजह राज्य में गर्मी लगातार बढ़ रही है और अगले तीन दिन तक इसका तेज प्रकोप होने की संभावना है। रविवार को भी राजधानी में सबसे अधिक गर्मी रही और पारा 42.2 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। दिन में तेज धूप के बाद मौसम में बदलाव हुआ, मगर तपती धरती पर इसका कोई खास असर नहीं हुआ।

आम सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार ओम प्रकाश सेन वगैरह ने विक्रेता अली असगर अजीज पिता मरहूम सैफुद्दीन अजीज निवासी फरिश्ता अपार्टमेंट के सामने बैरन बाजार रायपुर (छ.ग.) उसके/उनके स्वामित्व एवं आधिपत्य की ग्राम सेजबहार प.ह.नं. 119/50 रा.नि.मं. रायपुर-1 तहसील रायपुर जिला रायपुर (छ.ग.) स्थित असिंचित पड़त भूमि खसरा नंबर 266/1 रकबा 1600 वर्गफुट भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा किया है।

उपरोक्त वर्णित भूमि या उसके किसी भाग के स्वत्व एवं आधिपत्य के संबंध में या उक्त सव्यवहार, अंतरण के संबंध में किसी व्यक्ति, बैंक, ग्राम पंचायत, शासकीय, अर्द्धशासकीय विभाग, साहूकार आदि को कोई दावा-आपत्ति हो तो वह इस सूचना प्रकाशन दिनांक से 7 दिनों के अंदर अपनी आपत्ति मय सुसंगत दस्तावेज के साथ मेरे नीचे दिये पते पर मेरे समक्ष लिखित में प्रस्तुत करें। उक्त आम सूचना का खण्डन समाचार पत्र के माध्यम से अस्वीकार होगा। म्याद बाद उक्त वर्णित भूमि का मेरे पक्षकार द्वारा अपने पक्ष में बैनामा पंजीयन करवा लिया जावेगा, तदोपरांत की गई कोई भी दावा-आपत्ति अवैध व शून्य माना जावेगा जो मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगा। सो सूचना जाने।

रायपुर (छ.ग.) दिनांक : 08.06.2025

असीम कांतिघोष (अधिवक्ता)
छोटापारा, रायपुर (छ.ग.)
मो.न. 83195-77646

प्लास्टिक कचरा...फेंकिए मत, निगम खरीद रहा दस रुपए किलो, खोले गए आठ सेंटर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अब घरों व दुकानों से निकलने वाला प्लास्टिक कचरा बेकार नहीं जाएगा। इस कचरे के बदले भी लोगों को पैसे मिलेंगे। इसके लिए नगर निगम ने अभिनव पहल करते हुए ट्रेस टू कैश स्कीम शुरू की है, जिसके तहत शहर के अलग-अलग जगहों पर कचरा से नकद केंद्र बनाए गए हैं।

हरिभूमि सरोकार

जहां आम नागरिक अपने अनुपयोगी प्लास्टिक और गत्ते बेचकर बाजार दर पर भुगतान प्राप्त कर सकते हैं। इस सेंटर में सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक अनुपयोगी सामग्री खरीदने की व्यवस्था है। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को सामग्री के री-साइकिलिंग के लिए प्रोत्साहित करना है, जिससे शहर में कचरा प्रबंधन बेहतर होगा और पर्यावरण को नुकसान भी कम होगा। दरअसल प्लास्टिक प्रदूषण के खतरे से लोगों को निजात दिलाने रायपुर नगर निगम ने नवाचार का तरीका अपनाया है। शहर में सेकंडरी कचरा कलेक्शन के 8 ट्रांसफर स्टेशन पर कचरा से नकद केंद्र शुरू किया गया है। जहां पर शहर का कोई नागरिक अपने घर का अनुपयोगी प्लास्टिक वेस्ट बेचकर नकद भुगतान प्राप्त कर सकता है।

10 रुपए प्रति किलो की दर से इसकी खरीदी की जा रही है। एकत्रित की गई सामग्री को नगर निगम से अनुबंधित रामकी कंपनी सकरी स्थित अपने प्रोसेसिंग प्लांट में ले जाकर री-साइकिल कर फाइबर व दाने बनाकर उसका रीयूज कर रही है, ताकि शहर को प्लास्टिक प्रदूषण से निजात मिल सके।

- नगर निगम की अभिनव पहल ट्रेस टू कैश स्कीम
- रामकी के 8 सेंटर में खरीद रहे प्लास्टिक वेस्ट

एक माह में 3600 किलो प्लास्टिक की खरीदी

10 रुपए प्रति किलो की दर खरीद रहे प्लास्टिक वेस्ट

शहरवासियों से अनुपयोगी प्लास्टिक कचरा खरीदने 8 सेंटरों में निगम से अनुबंधित एजेंसी के कर्मचारी रजिस्टर लेकर बैठ रहे हैं। जो कि सेंटर में पहुंचने वाले व्यक्ति के नाम रजिस्टर में दर्ज कर उनके द्वारा विक्रय की किए जाने वाले प्लास्टिक वेस्ट की मात्रा भी दर्ज कर रहे हैं। 10 रुपए प्रति किलो की दर पर अनुपयोगी प्लास्टिक कचरा खरीदने के साथ उसका नकद भुगतान किया जाता है। इन सेंटरों में गत्ते से बनी अनुपयोगी सामग्री खरीदने की व्यवस्था भी है। निगम के अधिकारियों ने बताया कि पिछले एक माह में लोगों से 3600 किलोग्राम प्लास्टिक कचरे की खरीदी की गई है।

इन ट्रांसफर स्टेशन पर बेच सकते हैं सामान

- भनपुरी में रिंग रोड नंबर 2 बेस्ट प्राइज के पास स्थित ट्रांसफर स्टेशन
- लोधीपारा क्रिस्टल आर्किड के सामने हाट बाजार के पास
- बूढ़ातालाब धरना स्थल के पास ट्रांसफर स्टेशन
- भैरव नगर में गोकुलनगर ट्रांसफर स्टेशन
- हीरापुर जरवाय गोधन केंद्र के पास
- दलदल सिवनी साइंस सेंटर के पीछे स्थित ट्रांसफर स्टेशन
- पुरैना में सीएसपीडीसीएल आफिस के पास
- देवपुरी पानी टंकी के पास स्थित ट्रांसफर स्टेशन

खबर संक्षेप

सीएम साय ने किया पोस्टर का विमोचन

रायपुर। पूज्य बाबा गुरुदास राम साहिब के 94वें जन्मोत्सव के अवसर पर भाजपा प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी ने 14 जून को भव्य निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया है। केनाल रोड स्थित झूलेलाल धाम में सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक लगने वाले इस शिविर में शदाणी सेवा मंडल, पूज्य बाबा गरीबदास सेवा मंडल, पूज्य छत्तीसगढ़ सिंधी पंचायत, भारतीय सिंधु सभा व पूज्य कंधकोट पंचायत के साथ ही छत्तीसगढ़ स्वास्थ्य विभाग (रायपुर जिला) का सहयोग प्राप्त हो रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने शनिवार को कार्यक्रम के पोस्टर का विमोचन किया। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें मेडिकल कैंप में शामिल होने के लिए आमंत्रण भी दिया।

अखंड ब्राह्मण समाज सेवा समिति का प्रतिभा सम्मान 15 को

रायपुर। सुंदरनगर स्थित प्रदेश कार्यालय ओम सोसाइटी में विगत दिनों अखंड ब्राह्मण समाज सेवा समिति की मासिक बैठक हुई। बैठक में संगठन का विस्तार करते हुए युवा प्रकोष्ठ जिला सचिव जितेंद्र पांडेय के अनुशंसा एवं युवा प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष प्रतीक तिवारी के अनुमोदन के बाद प्रदेश अध्यक्ष योगेश तिवारी ने अबीर मिश्रा को युवा प्रकोष्ठ रायपुर जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया। उन्होंने बताया कि सिविल लाइंन स्थित वृंदावन हॉल में 15 जून को शाम 6 बजे प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया है, जिसमें सत्र 2025 में 10वीं एवं 12वीं बोर्ड के छात्र 80% या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हैं, उनका सम्मान किया जाएगा। बैठक में डॉ. एसके शर्मा, शशांक खरे, अमित मिश्रा, प्रदीप मिश्रा, प्रतीक तिवारी, अवधेश धर दीवान, सुनीता तिवारी, सविता वीरेंद्र शर्मा, उमा तिवारी, भारती अवतार शर्मा, मल्लिका मिश्रा आदि उपस्थित थे।

वर्तमान समय में आत्मरक्षा के लिए कराते सीखना जरूरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ कराते संघ द्वारा अग्रवाल युवा मंडल के सहयोग से 25वीं राज्य स्तरीय कराते चैंपियनशिप का आयोजन अग्रसेन भवन जवाहर नगर रायपुर में किया गया। चैंपियनशिप का पुरस्कार वितरण सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए श्री अग्रवाल ने कहा, आज के समय में स्किल डेवलपमेंट आवश्यक है। खिलाड़ियों को लक्ष्य निर्धारित कर मेहनत करनी चाहिए। कराते सीखने के अनेक फायदे हैं। बेटियां कराते सीखकर आत्मनिर्भर बनती हैं, जिससे उनके माता-पिता भी निश्चिंत हो जाते हैं। पुरस्कार वितरण समारोह में ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष कैलाश मुरारका, कराते संघ के उपाध्यक्ष ओपी शर्मा, कमलेश देसाई उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन छग कराते संघ के सचिव अजय साहू ने किया।

दूसरी लहर के भयानक मंजर के बाद किया गया था अतिरिक्त इंतजाम, अब उपयोग नहीं

कोरोना की जंग के प्रमुख हथियार अब हो रहे बेकार, आईसीयू समेत 24 वेंटिलेटर डंप

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कोरोना से जंग के दौरान लोगों की जान बचाने के लिए प्रमुख हथियार बने लाखों रुपए के वेंटिलेटर अब बेकार होने लगे हैं। उपयोग नहीं होने और भविष्य की तैयारियों के आधार पर जिला अस्पताल में सुविधायुक्त आईसीयू समेत 24 वेंटिलेटर डंप पड़े हैं। इन्हें क्रियाशील रखने समय-समय पर टेस्टिंग करने के दावे तो किए जाते हैं, मगर नियमित उपयोग नहीं होने की वजह से इनके कबाड़ होने की आशंका से भी इंकार नहीं किया जा रहा है।

हरिभूमि सरोकार

कोरोना की दूसरी लहर के भयानक मंजर के बाद विभागीय स्तर पर इस घटना की पुनरावृत्ति रोकने के लिए करोड़ों रुपए खर्च कर जिला अस्पतालों के साथ कोविड आईसोलेशन सेंटर बनाए गए स्वास्थ्य केंद्रों में गंभीर मरीजों को रखने के लिए अन्य संसाधनों के साथ वेंटिलेटर की व्यवस्था की गई थी। सौभाग्य से तीसरी लहर में इसकी जरूरत नहीं पड़ी और संक्रमित होने वाले मरीज घर पर रहकर ही ठीक हो गए थे। चौथी लहर के इंतजार के बाद वेंटिलेटर सहित अन्य संसाधन डंप हो गए और विभागीय स्तर पर इनके उपयोग के बारे में गंभीरता नहीं दिखाई गई। राजधानी रायपुर में जिला अस्पताल, आयुर्वेद अस्पताल के कोविड वार्ड, सिविल अस्पताल माना सहित कई अस्थायी कोविड सेंटर में ऑक्सीजन सिलेंडर के साथ वेंटिलेटर का इंतजाम किया गया था। इनका सीमित समय तक उपयोग हुआ, इसके बाद गंभीर मरीजों की जान बचाने वाली इन मशीनों को एक कमरे में रख दिया गया था। कुछ साल पहले इन स्वास्थ्य केंद्रों से छंटाई के बाद काम करने लायक 24 वेंटिलेटर जिला अस्पताल में लाकर रखे गए हैं। जिला अस्पताल में अतिगंभीर मरीजों को भर्ती कर इलाज करने के नाम पर सुविधायुक्त आईसीयू बनाया गया था। कोविडकाल से लेकर अब तक इस आईसीयू में एक भी गंभीर मरीज को भर्ती कर इलाज नहीं किया गया है। आशंका है कि सही समय पर उपयोग नहीं हो पाए लाखों रुपये के संसाधन एक बार फिर कबाड़ में तब्दील हो जाएंगे।

अन्य जिलों में भी डंप

रायपुर की तरह अन्य जिलों में भी विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों को कोविड आईसोलेशन सेंटर बनाकर संक्रमित मरीजों को उपचार दिया जा रहा है। इन स्थानों में भी संसाधन डंप पड़े हैं, जिनका अन्य शासकीय स्वास्थ्य संस्थानों में उपयोग किया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार कोविड से निपटने के लिए दूसरी लहर के बाद प्रदेश के स्वास्थ्य संस्थानों में करीब 28 सौ ऑक्सीजन कंसंट्रेटर, 27 सौ ऑक्सीजन सिलेंडर इंतजाम भी किया गया था।

सुरक्षित रखे हैं, टेस्टिंग भी कर रहे

जिला अस्पताल में 24 वेंटिलेटर भविष्य की तैयारियों के हिसाब से रखे गए हैं। यहां आईसीयू का इंतजाम भी है। उपकरणों को क्रियाशील बनाए रखने के समय-समय पर टेस्टिंग की जाती है।

- डॉ. एसके भंडारी, सिविल सर्जन, जिला अस्पताल

डीके और आंबेडकर अस्पताल में हो जाती है किल्लत

प्रदेश के सबसे आंबेडकर अस्पताल और डीके अस्पताल में वैसे तो वेंटिलेटर पर्याप्त संख्या में हैं, मगर कई बार मरीजों की संख्या अधिक होने के कारण वेंटिलेटर वाले बेड की कमी हो जाती है। ऐसे में गंभीर मरीजों की जान बचाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ती है। जानकार लोगों का कहना है कि जिला अस्पताल में बेकार होते पड़े इन जीवनरक्षक उपकरणों को अगर मेडिकल कॉलेज को दे दिया जाए तो यह मरीजों के हित में बड़ा कदम हो सकता है।

नहीं लेना एडमिशन तो विवि के पोर्टल पर जाकर आवेदन कैंसिल कर सकेंगे छात्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

- पहली बार दी गई छात्रों को यह सुविधा, ताकि मिल सके रिफंड

माध्यमिक शिक्षा मंडल के साथ सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड ने 12वीं के रिजल्ट जारी कर दिए हैं। ऐसे में जो स्टूडेंट्स इग्नू में एडमिशन लेना चाहते हैं, उन्हें एक और मौका मिला है। इंदिरा गांधी नेशनल ओपन यूनिवर्सिटी ने जुलाई शैक्षणिक सत्र 2025 के सभी कार्यक्रमों के लिए एक बार फिर से रजिस्ट्रेशन पोर्टल खोल दिया है। री-रजिस्ट्रेशन पोर्टल सभी प्रकार के ओपन और डिस्टेंस लर्निंग और ऑनलाइन कोर्स के लिए खोला गया है। यह पोर्टल 30 जून तक खुला रहेगा। छात्र 30 जून तक इग्नू के डैशबोर्ड पोर्टल पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। इसके लिए इच्छुक अभ्यार्थियों को इग्नू के ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर अपने कोर्स के अनुसार विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने के लिए आवेदन और रजिस्ट्रेशन करना होगा।

इसके साथ ही स्टूडेंट्स के पास इस दौरान ये भी मौका होगा कि वे अपना एप्लिकेशन फॉर्म सीधा पोर्टल पर जाकर रद्द कर सकते हैं। ईमेल के जरिए दिए गए एप्लिकेशन फॉर्म रद्द करने के आवेदन मान्य नहीं होंगे। पोर्टल पर जाकर ही आवेदन रद्द करना होगा। एक बार एप्लिकेशन कैंसिल हो जाने के बाद छात्र वापस उसे रजिस्टर नहीं कर सकेंगे। छात्रों को पुनः नया आवेदन करना होगा।

दिया जाएगा रिफंड

उम्मीदवार द्वारा कैंसिल किए गए एप्लिकेशन का रिफंड उन्हें विश्वाविद्यालय के पॉलिसी के तहत दिया जाएगा। री-रजिस्ट्रेशन, फॉर्म कैंसिलेशन और रिफंड की जानकारी इग्नू के ऑफिशयल वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। गौरतलब है कि अन्य विश्वविद्यालयों में एक बार ही रजिस्ट्रेशन का मौका मिलता है, लेकिन इग्नू साल में दो बार विद्यार्थियों को एडमिशन लेने का मौका देता है। जिस तरह इग्नू में दो बार रजिस्ट्रेशन होता है, उसी तरह साल में दो बार यहां परीक्षा भी होती है। पहली परीक्षा जून और दूसरी दिसंबर में आयोजित की जाती है।

स्लीपर कोच में एसी जैसी सुविधा, यात्रियों को वॉश बेसिन के पास मिलेगा हैंडवॉश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

यात्रियों की सफर को बेहतर बनाने रेलवे अब नॉन-एसी स्लीपर कोच में भी एसी कोच जैसी सुविधा देने जा रहा है। जल्द ही स्लीपर कोच में वॉश बेसिन के पास हैंडवॉश की सुविधा मिलेगी, जो अब तक सिर्फ एसी डिब्बों में ही थी। रेलवे ने सभी क्षेत्रीय जोन को निर्देश दिए हैं कि जिन ट्रेनों में ऑन बोर्ड हाउस कीपिंग सेवा है, उनमें स्लीपर कोच के शौचालय और गलियारे के पास लिक्विड सोप डिस्पेंसर लगाए जाएं। सफर शुरू होने से पहले इन्हें भरा जाएगा और जरूरत पड़ने पर यात्रा के दौरान दोबारा भी भरा जाएगा। बता दें कि हाथ धोने के लिए ट्रेनों में यात्रियों को साबुन खरीदना पड़ता था, लेकिन अब ट्रेन में यह सुविधा निशुल्क मिलेगी। इससे स्वच्छता के साथ यात्रियों को बेहतर अनुभव मिलेगा। जानकारी के मुताबिक, ट्रेन के टॉयलेट से टोंटी, दर्पण, साबुन केस, फ्रेशनर जैसे सामान की चोरी होने की बढ़ती घटनाओं के बाद चोरों और बदमाशों को रोकने के लिए रेलवे को कई सामान की गुणवत्ता में बदलाव का फैसला लेना पड़ा है।

- जिन ट्रेनों में ऑन बोर्ड हाउस कीपिंग सेवा, रेलवे लगाएगा लिक्विड सोप डिस्पेंसर

स्वच्छता के साथ सुविधा भी

स्वच्छता को ध्यान में रखते हुए रेलवे ने यह नया बदलाव लाया है। अब तक राजधानी, शताब्दी और वंदे भारत जैसी प्रीमियम ट्रेनों में मिलने वाली हैंडवॉश की सुविधा धीरे-धीरे सुपरफास्ट मेल व एक्सप्रेस ट्रेनों में भी शुरू होने जा रही है। रेलवे ने उन ट्रेनों को चुना है, जिनमें ऑन बोर्ड हाउस कीपिंग सर्विस उपलब्ध है। इन ट्रेनों के नॉन-एसी स्लीपर कोचों में भी वॉश बेसिन के पास लिक्विड सोप डिस्पेंसर लगाए जाएंगे, ताकि यात्रियों को बेहतर स्वच्छता और सुविधा मिल सके।

स्लीपर कोच में बढ़ेगी चोरी की आशंका

भारतीय रेलवे अब स्लीपर कोच में भी हैंडवॉश की सुविधा देने जा रहा है, जो पहले सिर्फ एसी कोच तक सीमित थी। हालांकि इससे सुविधा तो बढ़ेगी, लेकिन साथ ही एक बड़ी चुनौती भी सामने है, चोरी की। रायपुर से होकर गुजरने वाली कई ट्रेनों में पहले भी हैंडवॉश डिस्पेंसर चोरी हो चुके हैं। अब जब यह सुविधा नॉन-एसी कोच तक बढ़ाई जा रही है तो इनकी चोरी की संभावनाएं और बढ़ जाएंगी। रेलवे को इस दिशा में विशेष निगरानी और सुरक्षा उपाय करने होंगे, ताकि यह सुविधा यात्रियों तक टिकाऊ रूप में पहुंच सके।

- कर्मचारी नेताओं को तबादला नीति में नहीं मिली छूट
- निगम-मंडल, आयोग में भी तबादले नहीं होंगे

तबादलों के लिए आवेदनों में तेजी, लेकिन कई विभागों के अफसर-कर्मी रहेंगे वंचित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

छत्तीसगढ़ में राज्य सरकार द्वारा नई तबादला नीति जारी करने के बाद प्रदेशभर के जिलों में अधिकारी-कर्मचारी अपना स्थानांतरण कराने आवेदन देने की शुरुआत कर चुके हैं, लेकिन इसी बीच राज्य के कर्मचारी संगठनों की ओर से ये बात तेजी से उठ रही है कि कई विभागों में तबादलों की मंजूरी नहीं दी गई है। कर्मचारी संगठन मांग कर रहे हैं कि जिन विभागों को तबादला नीति से अलग रखा गया है कि उनके लिए अलग से नीति बनाई जाए।

राज्य सरकार ने पिछले दिनों अपनी नई तबादला नीति जारी की है। इस नीति में सरकार ने साफ किया है कि गृह विभाग (पुलिस) आबकारी, खनिज, परिवहन, वाणिज्यकर, पंजीयन और स्कूल शिक्षा विभाग में शिक्षकीय कार्य में लगे शिक्षकों के साथ-साथ सभी निगम, मंडल, आयोग एवं स्वायत्त संस्थाओं पर यह नीति लागू नहीं होगी। इस मामले को लेकर राज्य के अलग-अलग कर्मचारी संगठन सहमत नहीं हैं। इस संबंध में कर्मचारी नेताओं का कहना है कि अकेले शिक्षा विभाग में ही सवा दो लाख कर्मी हैं। इनमें से करीब 12 हजार का युक्तियुक्तकरण हो सकता है, लेकिन बाकी शिक्षक, जो तीन साल से तबादले का इंतजार कर रहे हैं, उनका क्या होगा। इसके साथ ही जिन विभागों के नीति से अलग रखा गया है, उनके लिए भी यह परेशानी का मामला है। बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारी तबादला चाहते हैं, लेकिन उनके लिए कोई अवसर नहीं बन पा रहा है।

तबादलों के लिए आवेदन शुरू

तबादला नीति आने के बाद जून से ही आवेदन देने का सिलसिला शुरू हो गया है। बताया गया है कि एक ही जिले में एक से दूसरे स्थान के लिए तबादला चाहने वाले और एक जिले से दूसरे जिले में तबादला चाहने वालों के लिए अलग-अलग प्रक्रिया तय है। जिले से जिले में तबादले के लिए जिले के प्रभारी मंत्री को आवेदन भेजे जाएंगे। इसी प्रकार एक से दूसरे जिले यानी अंतरजिला तबादले के लिए विभागीय मंत्री के समक्ष विभाग के माध्यम से आवेदन भेजा जाएगा। राज्य स्तर पर तबादलों के आवेदन के लिए 14 से 25 जून तक का समय रखा गया। 26 जून से तबादलों पर पूर्ण प्रतिबंध लग जाएगा।

कर्मचारी नेताओं को नहीं मिली छूट

राज्य की नई तबादला नीति में मान्यता प्राप्त कर्मचारी संगठनों के नेताओं जैसे अध्यक्ष, सचिव और कोषाध्यक्ष को राहत नहीं दी गई है, यानी इनके तबादले भी किए जाएंगे। इस संबंध में कर्मचारी-अधिकारी फेडरेशन के संयोजक कमल वर्मा का कहना है कि पूर्व में कर्मचारी नेताओं को तबादलों के मामले में छूट दी जाती रही है। इस बार भी नीति बनाने के दौरान यह मांग रखी गई थी, लेकिन सरकार ने इसे नीति में शामिल नहीं किया है। फेडरेशन ने इस संबंध में मुख्यमंत्री और मुख्य सचिव को पत्र लिखकर कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों के स्थानांतरण में छूट का प्रावधान करने की मांग की है।

- जांच के दायरे में होलोग्रॉम बनाने वाली कंपनी, हवाला शराब कारोबारी भी

दो हजार करोड़ का शराब घोटाला, ईओडब्ल्यू के निशाने पर 16 नाम, इनमें कई जेल में

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राज्य के चर्चित दो हजार करोड़ रुपए से ज्यादा के शराब घोटाला मामले में ईओडब्ल्यू ने जांच तेज कर दी है। शराब कारोबारी विजय भाटिया की गिरफ्तारी के बाद जांच में तेजी आई है। पूछताछ में विजय भाटिया ने ईओडब्ल्यू के सामने कई अहम खुलासे किए हैं। ईओडब्ल्यू की जांच में शराब सिंडिकेट से जुड़े 16 लोगों की भूमिका के बारे में कई महत्वपूर्ण जानकारी मिली है। इनमें से ज्यादातर शराब घोटाले के आरोप में जेल में बंद हैं।

ईओडब्ल्यू ने सिंडिकेट से जुड़े 16 नाम, जिनमें कारोबारी से से लेकर प्लेसमेंट एजेंसी संचालित करने वाले, हवाला नेटवर्क से जुड़े लोग हैं।

ईओडब्ल्यू अब उन्हें नोटिस जारी कर नए सिरे से पूछताछ करने की तैयारी में है। जिन लोगों को ईओडब्ल्यू नोटिस जारी करने वाली है, उनके विजय भाटिया के साथ सीधे संपर्क होने की जानकारी मिली है। ईओडब्ल्यू जिन लोगों को पूछताछ करने तलब करने की तैयारी कर रही है, उनमें सिद्धार्थ सिंघानिया, विकास अग्रवाल, नवीन केडिया, भूपेंद्र पाल सिंह भाटिया सहित कई चर्चित नाम शामिल हैं।

शराब घोटाले में किसकी क्या भूमिका रही

- सिद्धार्थ सिंघानिया - सुपरवाइजर, कर्मचारियों से डुप्लीकेट होलोग्रॉम वाली शराब की बिक्री। बिक्री की रकम कर्मचारियों के खाते में डलवाता था, फिर सिंडिकेट के सदस्यों तक पैसे पहुंचाता था।
- विकास अग्रवाल - नकली होलोग्रॉम वाली शराब सप्लाई होने के बाद पैसे वसूलता था। अनवर ढेबर के बताए स्थानों पर पैसों को पहुंचाता था।
- सत्येंद्र प्रकाश गर्ग - नकली होलोग्रॉम वाली शराब बनाने के लिए बोतल सप्लाई
- नवनीत गुप्ता - नकली होलोग्रॉम वाली शराब बनाने के लिए बोतल सप्लाई।
- विधु गुप्ता - सिंडिकेट को डुप्लीकेट होलोग्राम सप्लाई
- प्रकाश शर्मा - डिस्टलरी मालिकों को नकली होलोग्रॉम पहुंचाए।
- सोहन वर्मा - नकली होलोग्रॉम वाली शराब की राशि का कलेक्शन सिंडिकेट के लिए करता था।
- पीयूष बिजलानी - नकली होलोग्रॉम वाली शराब की राशि का कलेक्शन सिंडिकेट के लिए करता था।
- नवीन केडिया, भूपेंद्र पाल सिंह भाटिया, राजेंद्र जायसवाल - सिंडिकेट को शराब उपलब्ध कराते थे।
- नितेश, यश पुरोहित - अनवर ढेबर से प्राप्त रकम को उनके बताए स्थानों पर ठिकाने लगाने का काम करता था।
- दीपेंद्र चावड़ा - अनवर ढेबर के होटल का मैनेजर था। ईडी की दबिश के बाद सिंडिकेट के पैसे ढेबर, चावड़ा के पास रखता था।
- सुमित मालू, रवि बजाज - हवाला कारोबारी, सिंडिकेट का पैसा दूसरे राज्यों में भेजे जाने के साक्ष्य मिले हैं।

हरिभूमि

रायपुर, सोमवार 9 जून 2025

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

सरोकार बढ़ाने समाज की महिला ...

लाइव इवेंट

200 बच्चों ने दिखाया सिख इतिहास का ज्ञान गुरुओं की जीवनगाथा पर पूछे गए सवाल

रायपुर। छत्तीसगढ़ सिख संगठन महिला समिति द्वारा सिक्खी स्वरूप एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस दौरान 200 से अधिक बच्चों ने स्पर्धा में हिस्सा लिया। एक दिवसीय प्रतियोगिता श्याम नगर स्थित गुरुद्वारे में सैकड़ों सदस्यों की उपस्थिति में हुई। जहां सिख समाज के 10 प्रमुख गुरुओं की जीवनगाथा पर आधारित सवाल पूछे गए। स्पर्धा से पहले प्रत्येक प्रतिभागी को 100-100 सवाल-जवाब याद करने की सलाह दी गई थी। महिला समिति की अध्यक्ष श्वेता अरोरा और आकांक्षा प्रीत ने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य स्कूली बच्चों को धर्मगुरु की महिमा एवं इतिहास की जानकारी देना रहा। साथ ही सिख समाज के परिधान का महत्व भी बताया गया। जहां विलुप्त हो रही संस्कृति एवं परंपरा के संरक्षण का यह एक प्रयास है।

मंच पर सिख स्वरूप में पहुंचे नन्हे प्रतिभागी

सिख समाज का प्रमुख प्रतीक दस्तार (पगड़ी) होता है, जिसे पहनना धर्म में सम्मान और अनुशासन का प्रतीक कहलाता है। स्पर्धा के दौरान प्रतिभागी दस्तार के साथ मंच पर मौजूद रहे, जिनके चेहरे की मुस्कान और निडर स्वभाव दर्शकों का ध्यान खींच रहा था। देर रात तक आयोजित कार्यक्रम में बच्चों का मनोबल बढ़ाने बड़ी संख्या में उनके माता-पिता शामिल हुए। कार्यक्रम में 1 साल से लेकर 18 वर्ष तक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

प्रश्नोत्तरी में बच्चों की शानदार प्रस्तुति

स्पर्धा के दौरान बच्चों ने सिख समाज के प्रमुख 10 गुरुओं के जीवनगाथा की व्याख्या की, जिन्होंने हर एक सवाल का शानदार अंदाज में जवाब देकर निर्धायकों का ध्यान आकर्षित किया। प्रतिभागियों ने सिख धर्मगुरुओं के जन्म से लेकर मृत्यु तक के सफर को बताया, साथ ही जनकल्याण मार्ग में जीवन के कार्य एवं बलिदान को जोशीले अंदाज में बताया।

एलईडी वॉल लाइट लगाने से घर को मिलता है मॉर्डन रॉयल टच

घर का वातावरण कूल-अट्रेक्टिव बनाने इलेक्ट्रॉनिक्स होम इंटीरियर का चलन, एलईडी लाइट्स-डिवाइस की डिमांड

लगातार बढ़ते तापमान ने इलेक्ट्रॉनिक्स होम इंटिरियर का चलन बढ़ा दिया है। इसके मद्देनजर आज लोग घरों को कूल व अट्रेक्टिव लुक देने नेचुरल, गर्म, ठंड वैरायटीज की एलईडी लाइट्स और कम बिजली खपत करने व एनर्जी उत्सर्जित करने वाले इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस को घरों में लगाना पसंद कर रहे हैं। घर में एलईडी वॉल लाइट होने से काफी ज्यादा मॉर्डन रॉयल टच मिलता है, जो आसपास के एरिया पर आकर्षक लुक प्रदान करता है।

रायपुर। आउटडोर वॉल लाइट्स को आप अपने घर के बाहरी और घर के अंदर किसी भी वॉल पर लगा सकते हैं, जिसके बाद आपके घर को एक शानदार लुक मिलेगा। इन एलईडी लाइट का इंटीरियर काफी क्लासी और हॉट है, जो किसी की भी नजरों को अपनी ओर आकर्षित कर सकता है। शहर के इंटीरियर डिजाइनर मनोज शर्मा ने बताया कि सिटी में इलेक्ट्रॉनिक्स होम इंटीरियर की डिमांड पिछले सालों में काफी बढ़ा है, लेकिन ग्लोबल वार्मिंग के दृष्टिकोण से लगातार वातावरण का तापमान बढ़ने के चलते लोग अपने घरों में ऐसा इलेक्ट्रॉनिक्स होम इंटीरियर लगाना चाहते हैं, जिससे उनके घर का वातावरण कूल भी हो और अट्रेक्टिव भी लगे। इसके लिए 5 स्टार्स रेटिंग वाली इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस का इस्तेमाल करने का सलाह दे रहे हैं। वहीं नेचुरल, गर्म, ठंड क्वालिटी वाले एलईडी लाइट्स में इनडायरेक्ट लाइट्स, जो कम विजिबल आंखों को सुकून देने वाली होती हैं, का उपयोग कर रहे हैं। वैसे तो आमतौर पर आउटडोर एलईडी लाइट्स की डिमांड ज्यादा देखने को मिल रही है, लेकिन इंडोर और आउटडोर दोनों का ऑप्शन है। इन एलईडी वॉल लाइट्स को आप खाली स्पेस में भी लगा सकते हैं, जो वहां का एरिया काफी अट्रेक्टिव कर देंगी। ये वॉल लाइट्स आउटडोर में काफी गजब लुक देंगी। शाम होते ही ये लाइट्स रिफ्लेक्शन छोड़ती हैं, जो देखने वालों की नजरों का केंद्र बन जाती है। इनकी कीमत आपके बजट के अंदर बिल्कुल फिट रहेगी।

इंडोर में मर्फी 12 वोल्ट थ्री इन वन लाइट्स बेस्ट

इंटीरियर डिजाइनर बताते हैं कि ये प्रीमियम एक्रेलिक और धातु हार्डवेयर से तैयार की गई वॉल लाइट्स हैं, ये स्थायी रूप से लंबे समय तक चलती हैं। नरम और चमकीले गर्म सफेद एलईडी बल्ब की क्वालिटी वाली यह लाइट्स घरों में बेडरूम, लिविंग रूम और अन्य इंडोर स्थानों में एक आरामदायक और आकर्षक वातावरण प्रदान करती है। आधुनिक झूमर डिजाइन के साथ ये दीवार लाइटें स्टाइलिश सजावट में आजकल बड़े पैमाने पर उपयोग में लाई जा रही हैं। इससे कमरे में सुंदरता आती है, साथ ही जरूरत के मुताबिक रोशनी भी प्रदान करती है। आकार में 19 इंच की यह दीवार पर लगे नाइट लाइटिंग फिक्स्चर बेडरूम, हॉल, सीढ़ियों और बच्चों के कमरे सहित विभिन्न इंडोर जगहों पर लगाई जाती है।

5 स्टार रेटिंग डिवाइस घरों के लिए सही

शहर के इंटीटिरियर डिजाइनर्स का कहना है कि घरों को अगर तापमान ग्लोबल वार्मिंग व शरीर के लिए अनुकूल रखना है तो हमें घरों में ऐसी इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस लगाने चाहिए, जो कम से कम बिजली खपत करें व कम से कम तापमान उत्सर्जित करें। इसके लिए 5 स्टार वाली इलेक्ट्रॉनिक्स डिवाइस का उपयोग बेहतर होता है। इसमें चाहे एयरकंडीशनर डिवाइज हो या स्मार्ट टीवी जैसी डिवाइज, साइंटिफिक नियम के मुताबिक 5 स्टार्स रेटिंग वाली टीवी एवं एसी ज्यादा कंफर्टेबल होते हैं।

बर्ड, स्ट्रेट और 3 इन 1 लाइट्स से आउटडोर दिखेगा आकर्षक

एलईडी लाइट्स के ऑप्शन में बर्ड, स्ट्रेट और 3 इन 1 लाइट्स के ऑप्शन बाजार में उपलब्ध हैं, जिसे आप अपने अनुसार कहीं भी सेट कर सकते हैं। आउटडोर और गार्डन के लिए इनका इस्तेमाल आजकल किया जा रहा है। छत पर भी इन्हें लुक के लिए डेकोरेट करा रहे हैं। इस तरह से आउटडोर वॉल लाइट्स को घरों के बाहरी आकर्षण बढ़ाने के लिए लगवाने इंटीरियर डिजाइनर्स सलाह दे रहे हैं। एलईडी लाइट्स की यूं तो कीमत एक हजार रुपए से शुरू होती है, जो क्वालिटी व साइज के हिसाब से अलग-अलग दर अनुसार बाजार में उपलब्ध है। इलेक्ट्रॉनिक्स होम डेकोर के लिए झूमर टाइप, स्टैंड लाइट, लैंप लाइट, सोलर लाइट्स की महंगी रेंज भी होती है। इससे घर के इंडोर-आउटडोर को अपने जरूरत के हिसाब से आकर्षक डिस्प्ले देने में इंटीरियर डिजाइनर उपयोग कर रहे हैं।

सिटी इवेंट

दुनिया का सबसे महंगा आम मियाजाकी अब छग में भी फल रहा

रायपुर। इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आम महोत्सव के दौरान इस बार लोगों का ध्यान जापान की मशहूर प्रजाति मियाजाकी आम ने खींचा, जिसकी कीमत 2.5 से 3 लाख रुपए प्रतिकिलो तक बताई जा रही है। खास बात यह है कि अब इस दुर्लभ और महंगे आम का उत्पादन छत्तीसगढ़ में भी शुरू हो गया है। भिलाई-चरोदा के एक किसान ने इस जापानी नस्ल के मियाजाकी आम को एग्जीबिट किया, जो देखने में गहरे लाल रंग का और स्वाद में बेहद मीठा होता है। विशेषज्ञों के अनुसार, इसमें अन्य आमों की तुलना में 15 फीसदी अधिक शुगर कंटेंट होता है। साथ ही इसमें एंटीऑक्सीडेंट, बीटा-कैरोटीन और फोलिक एसिड जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो आंखों की रोशनी बढ़ाने में काफी लाभदायक माने जाते हैं। महोत्सव में देसी नस्ल का 'हाथीजुड़' आम भी आकर्षण का केंद्र रहा, जिसका वजन ढाई किलो था और जिसकी आकृति हाथी की सूंड जैसी थी।

800 किलो से ज्यादा आम की हुई बिक्री

आम महोत्सव के अंतिम दिन आमप्रेमियों की भीड़ उमड़ पड़ी। लोग न केवल दुर्लभ किस्मों के आम देखने पहुंचे, बल्कि जमकर खरीदारी भी की। धमतरी, भिलाई सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे किसानों ने अपनी खास वैरायटी के आमों को बिक्री के लिए रखा। तीन दिनों के भीतर 800 किलो से अधिक आम बिक चुके हैं। खास बात यह रही कि नई किस्म के आमों की सबसे ज्यादा डिमांड रही, जिन्हें लोगों ने हाथों-हाथ खरीद लिया।

विदेशों में होती है आम की नीलामी

विशेषज्ञों के मुताबिक, दुनिया के सबसे महंगे इस आम का मूल नाम 'ताइयो नो तमागो' है। ऐसे जापान के मियाजाकी राज्य में इसका उत्पादन किया जाता है। यही वजह है कि इसका नाम मियाजाकी पड़ गया। खास बात यह है कि दुनिया के अमीर लोग ही सिर्फ इसे खाते हैं। मार्केट में इसकी बिक्री नहीं होती, बल्कि नीलामी की जाती है। जानकारों ने बताया कि अब छत्तीसगढ़ के किसान झारखंड और ओडिशा जैसे राज्यों से मियाजाकी आम के पौधे लाकर इसकी खेती कर रहे हैं। ये पौधे 1 से 2 साल में फल देने लगते हैं, जिससे राज्य में ही मियाजाकी जैसे महंगे आम की संभावना बढ़ रही है। बस्तर के रामकुमार देवांगन ने 120 देसी वैरायटीज के आमों की सौगात देकर सबका ध्यान खींचा, महोत्सव में करीब 200 वैरायटीज शामिल हैं, जिनमें सेवपल्ली, महागजा, भैंसमुड़ी और स्वर्ण जांजगीर जैसे नाम विशेष आकर्षण का केंद्र बने। प्रजाति बीजापुर की हाथीझुल किस्म है, जिसका एक-एक फल दो किलो से लेकर चार किलो तक वजन का है।

इंजीनियरिंग कॉलेज में प्रवेश के लिए 75 प्रतिशत जरूरी, कम अंक वाले श्रेणी सुधार पर दे रहे जोर

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा दसवीं-बारहवीं बोर्ड के परीक्षा परिणाम जारी करने के बाद अब अपने अंक से असंतुष्ट विद्यार्थियों ने द्वितीय मुख्य परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी है। इस परीक्षा के योग्य वे सभी छात्र हैं, जो मुख्य परीक्षा से पूरक, अनुत्तीर्ण, उत्तीर्ण, अंक सुधार श्रेणी करना चाहते हैं। परीक्षा से संबंधित जानकारी मंडल की ऑफिशियल वेबसाइट पर उपलब्ध है, जानकारी के अनुसार 2 जुलाई से परीक्षा प्रारंभ होने जा रही है। हरिभूमि टीम से बातचीत के दौरान काउंसलर ने बताया कि इंजीनियरिंग कॉलेज में दाखिला लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए यह बेहतर विकल्प है, जहां उन्हें द्वितीय मुख्य परीक्षा से अंक सुधारने का मौका मिलेगा।

छात्रों के लिए समय प्रबंधन मुश्किल

विषय विशेषज्ञ कुसुम त्रिपाठी ने बताया कि द्वितीय मुख्य परीक्षा की तैयारी के लिए विद्यार्थियों के पास पर्याप्त समय है। जो छात्र तीन विषयों में भी अनुत्तीर्ण हुए हैं, या श्रेणी सुधार के लिए परीक्षा में शामिल होने जा रहे हैं, वे नियमित समय सारिणी के साथ पढ़ाई शुरू कर सकते हैं। उत्तरपुस्तिका जांच के दौरान छात्रों का समय प्रबंधन सबसे बड़ी समस्या नजर आया है, जहां छात्रों ने बहुत प्रश्नों का जवाब नहीं लिखा था।

परीक्षा आवेदन की समय सारिणी

ऑनलाइन आवेदन- 20 मई से 10 जून तक,
विलंब शुल्क के साथ- 11 जून से 20 जून तक,
विशेष विलंब शुल्क के साथ - 21 जून से 30 जून तक।

छात्रों को श्रेणी सुधार का विशेष अवसर

काउंसलर वर्षा वरवंडकर ने बताया कि अनुत्तीर्ण छात्रों को द्वितीय मुख्य परीक्षा में बैठने के मौका मिलेगा, जिससे उनका एक सत्र बर्बाद होने से बच जाएगा। बोर्ड परीक्षा के विद्यार्थी इच्छानुसार एक से अधिक, सभी विषयों में परीक्षा में शामिल हो सकते हैं। इससे उन विद्यार्थियों को सबसे अधिक लाभ होगा, जो श्रेणी सुधार में अपने अंक बढ़ाना चाहते हैं। जेईई प्रतियोगी परीक्षा के लिए बोर्ड में 75 प्रतिशत अंक का होना आवश्यक है, जो छात्र मुख्य परीक्षा में उपयुक्त अंक से पीछे रह गए, उनके लिए भी यह बेहतर विकल्प है कि वे दूसरी बार मेहनत कर उत्तम परिणाम हासिल कर सकें।

अंजलि बनीं मिस यूनिवर्स छत्तीसगढ़ अब इंडिया लेवल पर बिखेरेंगी जलवा

रायपुर। शहर की डॉ. अंजलि पवार को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के ग्रैंड फिनाले में मिस यूनिवर्स छत्तीसगढ़ 2025 का ताज पहनाया गया। अब वे आगामी महीनों में होने वाली मिस यूनिवर्स इंडिया प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करेंगी। चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ी होने के साथ-साथ वे आर्ट ऑफ लिविंग फाउंडेशन में मेडिटेशन टीचर के रूप में भी कार्य करती हैं। डॉ. अंजलि पवार ने बताया कि नवंबर महीने में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करते हुए मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 प्रतियोगिता में मंच पर नजर आएंगी। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का आयोजन ग्लैमानंद एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया जाएगा, जो विश्व के सबसे बड़े सौंदर्य प्रतियोगिता आयोजकों में से एक हैं। मिस यूनिवर्स इंडिया 2025 की विजेता नवंबर महीने में थाईलैंड में आयोजित होने वाली मिस यूनिवर्स 2025 प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी।

शादी और पार्टी में खास दिखने के लिए महिलाएं ले रही ब्यूटीशियंस की मदद, खास दिखने उपाय

लॉन्ग-लास्टिंग मेकअप के लिए मैजिक सीरम और डर्मा के प्रयोग से मिल रहा डिफरेंट लुक

कार्नर न्यूज

रायपुर। शादी-सगाई के साथ ही मांगलिक आयोजनों के इस दौर में गर्मी के बीच लंबे समय तक मेकअप और लुक को बनाए रखना महिलाओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती है। गर्मी में चेहरे पर पसीने के कारण भी मेकअप हटने लगता है। इससे बचने के महिलाएं अब लॉन्ग-लास्टिंग मेकअप कराना पसंद करती हैं। इन दिनों वेडिंग सीजन में ब्राइड ब्यूटीशियन की सलाह भी महिलाएं मेकअप के लिए लेती हैं, ताकि विवाह के दौरान बेस्ट लुक मिल सके। वेडिंग सीजन में मेकअप और लुक महिलाओं के लिए चिंता का भी विषय है , जहां वे मेकअप आर्टिस्ट की सलाह पर खुद को निखारने का प्रयास करती हैं। ब्यूटीशियन अंकिता मिश्रा ने बताया कि मेकअप से पहले प्राइमर मेकअप लुक को लॉन्ग-लास्टिंग बनाने में मदद करता है। खास लुक के लिए मेकअप फिक्सर पार्टी लुक में उपयोग किया जा रहा है। पार्टी लुक मेकअप से पहले क्लींजिंग, टोनिंग और मॉइस्चराइजिंग ये तीन प्रक्रियाएं जरूरी हैं। इससे चेहरे पर पसीना नहीं आता और रौनक बनी रहती है।

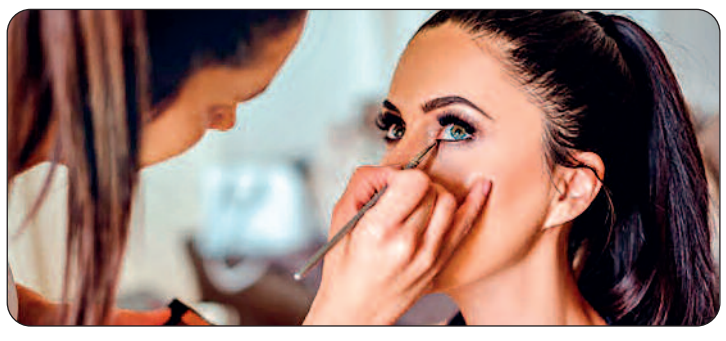

ब्यूटीशियंस दे रहीं लॉन्ग लास्टिंग टिप्स

महिलाएं ग्लोइंग लुक के लिए मेकअप से पहले चेहरे पर बर्फ जरूर लगाएं, ये ऑइल कंट्रोलिंग के लिए सबसे फायदेमंद है। ब्यूटीशियन अंकिता ने बताया कि घर पर ही सामान्य देखभाल से भी बेहतर ग्लोइंग स्किन को बरकरार रखा जा सकता है। समर सीजन में रात में चावल भिगाकर रखें, इसकी आइस क्यूब बनाकर मेकअप से पहले चेहरे पर लगाएं। ये ऑइल कंट्रोल, स्वेटिंग कंट्रोल, पिंपल जैसी एंटी इचिंग को कंट्रोल करने का काम करता है। छोटे-छोटे प्रयास से भी खास मौके पर मेकअप की देखभाल आसान हो जाती है।

समर में मैजिक सीरम और डर्मा मेकअप से ग्लो

मेकअप आर्टिस्ट मीनाक्षी टुटेजा ने बताया कि मौसम के साथ अब मेकअप को लॉन्ग लास्टिंग बनाने के लिए ब्यूटी प्रोडक्ट भी बदला जाता है। इस समर सीजन में पार्टी लुक के लिए मैजिक सीरम और डर्मा मेकअप को ज्यादा पसंद किया जा रहा है। यह चेहरे पर पसीना नहीं आने देता और मेकअप लंबे समय तक बने रहता है। इसे लगाने से गर्मी लगने पर भी चेहरे पर पसीना नहीं आता है। इससे मेकअप खराब होने का खतरा नहीं रहता। हर मौके को खास बनाने वाली महिलाएं अपने लुक का केयर करने में भी कोई रिस्क नहीं लेती हैं।

लाइट मेकअप के साथ हैवी ज्वेलरी पहली पसंद

वेडिंग सीजन शुरू होते ही महिलाएं आउटफिट को लेकर चिंता में रहती है, ऐसे में बेस्ट लुक के लिए सामान्य टिप्स दूसरों से बेहतर दिखने में मदद करेंगे। गर्मियों में गाउन, अनारकली, हैंडवर्क साड़ी, हैवी बॉर्डर की साड़ी और लाइट कलर का लहंगा सबसे बेस्ट ऑप्शन है, यह वेडिंग लुक इन दिनों ट्रेंड में है। जहां महिलाएं लाइट मेकअप के साथ इन आउटफिट को कैरी करना पसंद करती हैं। जहां हैवी ज्वेलरी महिलाओं की पहली पसंद बनी है।

सिटी लाइव

जिम्मेदारी निभाने ज्ञान और दृष्टिकोण जरूरी, यह सशक्त शिक्षा से ही संभव

रायपुर। कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय और रायपुर प्रेस क्लब के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को प्रेस क्लब भवन में एक दिवसीय 'मार्गदर्शन शिविर' का आयोजन किया गया। यह शिविर मीडिया शिक्षा और जनसंचार क्षेत्र में कॅरियर की संभावनाओं को लेकर युवाओं और अभिभावकों को जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। शिविर के उद्घाटन सत्र में संभागायुक्त और विश्वविद्यालय के कुलपति महादेव कावरे ने संचार और पत्रकारिता के क्षेत्र में कॅरियर की संभावनाओं पर विचार रखते हुए कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक दृष्टि से भी विशेष महत्वपूर्ण है। आज ही के दिन यानी 8 जून 1936 को आकाशवाणी की स्थापना हुई थी। इसने देश के नागरिकों को जागरूक करने में एक नई भूमिका निभाई।

समाज को अच्छे और सच्चे पत्रकारों की जरूरत

शिविर में प्रेस क्लब रायपुर अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर ने कहा कि वर्तमान समय में पत्रकारिता और जनसंचार के क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं, जो न केवल रोजगार के अवसर प्रदान करती है, बल्कि समाज में सक्रिय भूमिका निभाने का भी माध्यम बनती है। मीडिया समाज की प्रभावशाली आवाज है और इस जिम्मेदारी को निभाने के लिए ज्ञान तथा दृष्टिकोण जरूरी है, जो केवल सशक्त शिक्षा से ही संभव है। उन्होंने कहा कि समाज को अच्छे और सच्चे पत्रकारों की जरूरत है, जो ईमानदारी और समर्पण के साथ लोगों की आवाज बनकर शासन प्रशासन को आईना दिखा सकें। कार्यक्रम में कुलसचिव सुनील शर्मा, संयोजक एवं जनसंचार विभागाध्यक्ष डॉ. राजेंद्र मोहंती, पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष पंकज नयन पाण्डेय, प्रेस क्लब के महासचिव डॉ. वैभव शिव पांडेय समेत विवि के विभिन्न विभागाध्यक्ष शैलेंद्र खंडेलवाल (आईटी), अतिथि व्याख्याता एवं विश्वविद्यालय शोधार्थी विनोद सावंत, चंद्रेश चौधरी और प्रेस क्लब उपाध्यक्ष संदीप शुक्ला, कोषाध्यक्ष रमन हलवाई, संयुक्त सचिव अरविंद सोनवानी भी उपस्थित रहे।

लाइव इवेंट

नुक्कड़ नाटक में पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

रायपुर। पर्यावरण जागरूकता एवं संधारणीय जीवन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से त्रिमूर्ति नगर स्थित स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय में पौधारोपण किया गया। इस दौरान पर्यावरण संरक्षण विषय पर पोस्टर मेकिंग, रैली, नुक्कड़ नाटक, प्रदर्शनी और पर्यावरण संरक्षण के लिए शपथ ग्रहण समारोह का भी आयोजन किया गया। स्कूली छात्रों ने नुक्कड़ नाटक की मदद से जीवन में पर्यावरण की महत्ता को बताया, साथ ही आधुनिक दौर में मनुष्यों द्वारा प्रकृति को होने वाले नुकसान पर जोर दिया।

ग्रामीण महिलाओं ने शिविर में सीखी वेस्ट से बेस्ट की कला

रायपुर। मैजिक बस इंडिया फाउंडेशन की ओर से अंतर्राष्ट्रीय पर्यावरण दिवस के अवसर पर तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर शहर के आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में मितानिन, आंगनबाड़ी व स्कूल के बच्चों को पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता की जानकारी दी गई। तीन दिवसीय आयोजन के प्रथम दिन महिलाओं को प्लास्टिक का पुनः प्रयोग कर वेस्ट से बेस्ट बनाने की प्रक्रिया सिखाई गई। वहीं आंगनबाड़ी के बच्चों के लिए क्विज और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका विषय पर्यावरण संरक्षण रखा गया, जहां बच्चों ने अपनी प्रतिभा का नमूना दिखाते हुए आधुनिक दौर में मनुष्यों द्वारा पर्यावरण को हानि, बचाव के उपाय एवं पेड़ लगाने के महत्व पर जोर दिया।

राजधानी में समाज प्रमुख ही नहीं, महिलाएं भी खोल रहीं आर्थिक समृद्धि के द्वार, दिला रही हैं प्रशिक्षण

सरोकार बढ़ाने समाज की महिलाएं गृहिणियों को सिखा रहीं हुनर, व्यवसाय से जोड़ने में बन रही कड़ी

'महंगाई के इस दौर में अलग-अलग समाज से जुड़े पुरुष पदाधिकारी ही नहीं, बल्कि महिला विंग भी सरोकार को बढ़ावा देने में अहम कड़ी बनने लगी है। समाज की जो महिलाएं कम पढ़ी-लिखी होने के कारण घर की चारदीवारी तक सीमित हैं, उन्हें भी अलग-अलग तरह की विधा में पारंगत करते हुए साथ उनको आत्मनिर्भर बनाते हुए परिवार में आर्थिक खुशहाली लाने में भी मदद कर रही हैं। महिला विंग द्वारा किए जा रहे प्रयास से अब माहेश्वरी समाज की महिला समिति अध्यक्ष विद्या काबरा जुड़ने वाली हैं।'

रायपुर। अपने समाज को आगे बढ़ाने में समाज प्रमुख ही नहीं, उनकी महिला विंग से जुड़ी पदाधिकारी भी अब सरोकार को बढ़ावा देने का जतन करने लगी हैं। महिला विंग भी अब अलग-अलग क्षेत्र की गृहिणियों को उद्यमी भी बनाने का प्रयास करने लगी हैं। अपने प्रयासों से अन्य महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने की दिशा में सार्थक प्रयास भी करने लगी हैं। महिलाओं में बढ़ता आत्मविश्वास अब अन्य महिलाओं को भी नई राह दिखा रहा है। सामाजिक विंग से जुड़ी महिलाएं मीटिंग के माध्यम से नारी शक्ति को कला के क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं। इन दिनों पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने के लिए गृहिणियां भी तैयार हैं। इनके प्रयास से परिवार ही नहीं, समाज भी आर्थिक रूप से समृद्धि की ओर अग्रसर है। अलग-अलग समाज के महिला विंग से की गई चर्चा में कई बातें सामने आईं।

60 से ज्यादा ने शुरू किया व्यवसाय

शहर के महाराष्ट्र मंडल में 16 महिला केंद्र संचालित होने के साथ इनकी प्रमुख महिलाएं हैं। इन केंद्रों से जुड़ी महिलाएं हर महीने बैठक कर प्रदेश और देश में महिलाओं से जुड़े मुद्दों, कानून व जागरूकता पर चर्चा करती हैं। इससे केंद्र की महिलाओं के साथ अन्य महिलाओं को भी उन बिंदुओं से रूबरू कराया जाता है। मंडल की सदस्य शताब्दी पांडे और विशाखा तोपखानेवाले ने बताया कि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए समिति द्वारा टिफिन सेंटर चलाया जाता है। समिति उन महिलाओं की मदद करती है, जो छोटे स्तर पर व्यवसाय शुरू करना चाहती हैं। मंडल उन्हें धार्मिक और सामाजिक आयोजनों में स्टॉल से कमाई का जरिया देता है। बीते 11 से 12 साल से समिति एक्टिव है। इससे 60 से अधिक महिलाओं को व्यावसायिक रूप से सशक्त बनाया और टिफिन सेंटर में 20 से अधिक महिलाओं को रोजगार दिया है।

अलग-अलग विधा का प्रशिक्षण और काम

अखंड ब्राह्मण समाज महिला विंग द्वारा महिलाओं के स्वास्थ्य पर विशेष जोर दिया जाता है। शिविर व जांच के माध्यम से उन्हें बीमारियों की जानकारी और रोकथाम के उपाय बताए जाते हैं। मेंबर भारती शर्मा ने बताया कि ऐसी गृहिणी, जो व्यवसाय की शुरुआत कर आत्मनिर्भर बनना चाहती हैं, उन्हें ब्यूटी पार्लर, सिलाई-कढ़ाई, मेहंदी जैसी विधाओं का प्रशिक्षण दिया जाता है। साल 2016 में समिति का गठन होने के बाद हर साल 2-3 निशुल्क शिविर महिलाओं के लिए किए जाते हैं। 50 से भी अधिक महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का दायित्व विंग ने निभाया है।

आर्थिक समृद्धि के लिए दे रहीं प्रशिक्षण

सिंधी समाज का पुरुष वर्ग ही नहीं, अब महिलाएं भी आर्थिक समृद्धि के लिए प्रयास कर रही हैं। अखिल भारतीय सिंधी समाज की अध्यक्ष राधा राजपाल ने बताया कि महिला विंग द्वारा समाज की महिलाओं को प्रोत्साहित करने का काम किया जाता है। इसमें स्वास्थ्य, शिक्षा और आर्थिक रूप से भी उन्हें मजबूत करने पर जोर दिया जाता है। हर साल कई घरेलू महिलाओं को सिलाई मशीन निशुल्क वितरित की जाती है, जिससे वे स्वयं छोटे व्यवसाय की शुरुआत कर सकें। महिला विंग द्वारा निशुल्क प्रशिक्षण भी दिलाया जाता है।

गृहिणियों को अचार पापड़ बनाना सिखा रहीं

इस मामले में प्रदेश कुनबी समाज महासंगठन की महिला समिति बेहतर प्रयास करते हुए लघु उद्योग भी चला रही हैं। इसमें ब्यूटी पार्लर, अचार, सेंवई, मुरब्बा और पापड़ महिलाएं तैयार करने लगी हैं। समिति कि अध्यक्ष सारिका गेडेकर ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत जिन महिलाओं को हुनरमंद बनाते हैं, वे अन्य महिलाओं को अचार, पापड़ जैसी सामग्री बनाना सिखाती हैं। इससे गृहिणियों का आत्मविश्वास भी बढ़ रहा और वे छोटे स्तर पर खुद का व्यावसाय शुरू कर सकें, इसके लिए पारंगत करने के साथ सहयोग भी करती हैं। लघु उद्योग से अर्जित पैसे समाज द्वारा महिलाओं की मदद के लिए उपयोग में लाए जाते हैं। प्रदेशभर में सात जिले में संगठन महिला विंग के अथक प्रयास से अभी तक 350 से ज्यादा गृहिणियों को आत्मनिर्भर बनाया है।

मुनिसुव्रत स्वामी की प्रतिमा की हुई विधिवत पूजा, आज होगा मंगल प्रवेश

श्री नाकोड़ा पार्श्व भैरव महापूजन के साथ प्रतिष्ठा महोत्सव का आगाज

रायपुर। कचना स्थित आनंदम वर्ल्ड सिटी में नवनिर्मित श्री मुनिसुव्रत स्वामी जिनालय में प्रतिष्ठा महोत्सव का रविवार को भव्य आगाज हुआ। मंदिर में सुबह 6 बजे विधिवत पूजा-अर्चना के साथ कुंभ स्थापित किया गया। वहीं शंकर नगर स्थित संदीप भवन में प्रतिष्ठा महोत्सव के कार्यक्रमों का क्रम शुरू किया गया। प्रन्यास प्रवर गणाधीश विनय कुशल मुनि, विराट तपस्वी गणी विरगमुनि आदि ठाणा की पावन निश्रा में मंदिर में 250 वर्ष प्राचीन श्री मुनिसुव्रत स्वामी की प्रतिमा की पूजा-अर्चना की गई। शंकर नगर में सुबह 7.30 बजे स्नात्र पूजन के साथ शासन रत्न विश्व विख्यात विधिकारक मनोज बाबूमल जी हरण के कुशल मार्गदर्शन में धार्मिक अनुष्ठान और पूजा-अर्चना शुरू हुई। नाकोड़ा पार्श्व भैरव महापूजन के दौरान तीर्थंकर के रूप में भगवान भैरवजी की पूजा हुई, जो जैन धर्म के रक्षक माने जाते हैं। मान्यता है कि भैरवजी की पूजा करने घर में सुख-समृद्धि आती है और भगवान श्रावक पर आने वाले विपदाओं से उनकी रक्षा करते हैं। श्री नाकोड़ा पार्श्व भैरव महापूजन के मुख्य लाभार्थी सुश्रावक ललित जी, धर्मसहायिका सरिता जी, विशाल जी गोलछा परिवार आनंदम रायपुर रहे।

संगीतमयी भजनों की प्रस्तुति

मुनिश्री मुनि सुव्रत स्वामी जैन श्वेतांबर संघ के मनोज कोठारी एवं जैन संघ के अध्यक्ष संजय गिड़िया ने बताया कि प्रतिष्ठा महोत्सव के दौरान अतिथियों का सम्मान किया गया और शाम 8 बजे प्रभु की भक्ति के साथ संगीतमयी भजनों की प्रस्तुति हुई। वहीं दूसरे दिन 9 जून सोमवार को सुबह 7 बजे गुरु भगवंत एवं प्रभुजी का मंगल प्रवेश होगा, 7.15 बजे स्नात्र पूजा के बाद नवकारसी होगी, सुबह 8.15 पर जिनालय खनन मुहूर्त, 10 बजे धर्मसभा एवं अतिथियों का बहुमान, 11 बजे अठारह अभिषेक, 11.45 बजे चल मंदिर प्रतिष्ठा और दोपहर 12.05 बजे साधर्मिक वात्सल्य का आयोजन किया गया है।

गायत्री परिवार ने लिया निर्णय- विवाह जन्मोत्सव में भेंट देंगे किताबें-ग्रंथ

रायपुर। शादी-ब्याह, जन्मोत्सव समेत ऐसे कई आयोजन होते हैं, जिसमें लिफाफा या गिफ्ट पैक कराने के बाद भेंट दिया जाता है। इस परंपरा में बदलाव करते हुए गायत्री परिवार ट्रस्ट ने नई पहल करने की बात कही है। गायत्री परिवार अब विवाह, जन्मोत्सव के साथ अन्य मांगलिग कार्यक्रमों में लिफाफा या गिफ्ट की जगह अब साहित्य से संबंधित किताबें एवं ग्रंथ भेंट करने का निर्णय लिया है, जिससे किताबों में लिखे सुविचार, अच्छी बातों को अपने जीवन में लोग उतार सकें। गायत्री परिवार ट्रस्ट समता कॉलोनी की बैठक शक्तिपीठ में रविवार को हुई। जहां कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की गई। गायत्री शक्तिपीठ के साहित्य बुक डिपो में विभिन्न तरह के अच्छे साहित्यों का संग्रह है। इसे पढ़ने से परिवार, समाज व राज्य निर्माण में सकारात्मक सोच को बल मिलेगा।

योग प्रशिक्षण देने की तैयारी

इस संबंध में प्रबंध ट्रस्टी श्याम बैस और जोन समन्वयक आदर्श वर्मा ने बताया कि ट्रस्ट यह पहल अब अभियान की तर्ज पर शुरू कर रहा है। परिजनों से कहा जाएगा कि श्रीराम शर्मा आचार्य द्वारा लिखे गए साहित्य को सभी कार्यक्रमों में गिफ्ट के रूप में दें। मीडिया प्रभारी आरके शुक्ला ने बताया कि इससे गुरुदेव का संदेश घर-घर पहुंचेगा। मीटिंग में योग प्रशिक्षण पर चर्चा हुई। सहायक प्रबंध ट्रस्टी सदाशिव हथमल व ट्रस्टी हनुमान प्रसाद अग्रवाल ने बताया कि योग से हम स्वयं को फिट रख सकेंगे। शक्तिपीठ में आगामी 15 जून से सुबह 7 से 8 बजे तक निशुल्क योग प्रशिक्षण शक्तिपीठ के हाल में दिया जाएगा। निर्णय का ट्रस्टी शैलेश वर्मा और दीनानाथ शर्मा ने स्वागत किया है।

नवग्रह शांति के लिए हर महीने शनि मंदिर में जलवाते हैं ज्योति

रायपुर। चूड़ी लाइन स्थित प्राचीन शनिदेव मंदिर में भगवान शनि देव पर आस्था के चलते लोग हर शनिवार को नवग्रह शांति के लिए ज्योति जलवाते हैं। इसके चलते शनिदेव के ज्योति कक्ष में हर महीने 3 से 10 ज्योति प्रज्ज्वलित रहती हैं। अलग-अलग मनोकामना के लिए लोग सरसों तेल से ज्योति जलवाने की परंपरा हर महीने निभाते हैं। इस संदर्भ में मंदिर के पुजारी संतोष शर्मा ने बताया कि प्रक्रिया को लोग अभी भी निभाते हैं। रुके हुए काम, न्याय, व्यापार से जुड़ी समस्या और पढ़ाई के लिए लोग 9, 11, 23 और 30 दिनों के लिए ज्योति जलवाते हैं। इसके चलते मंदिर में व्यवस्था भी बनाई गई है। ज्यादातर भक्त शनिवार को पूजा में शामिल होने के बाद नवग्रह शांति के लिए ज्योति जलवाने का संकल्प लेते हैं।

दिन के हिसाब से शुल्क तय

पं. संतोष शर्मा ने बताया कि कई भक्त विशेष योग संयोग में भी ज्योति जलवाते हैं। शनिदेव को प्रसन्न करने के लिए शनिवार के दिन पूजा-अर्चना, दान-पुण्य और कुछ विशेष उपायों को करने का विधान है। सुबह फूलों से शनिदेव का श्रृंगार करने के बाद मंगल आरती की जाती है। इसके साथ ही संबंधित भक्त की इच्छा के तहत ज्योति जलवाई जाती है। इसके लिए लोग 901 रुपए से 2100 रुपए तक शुल्क जमा करते हैं। कई लोग महीनेभर के लिए ज्योति जलवाते हैं। अभी इस तरह के लोगों द्वारा प्रज्ज्वलित कराई गई ज्योति प्रकाशमान हैं। कुछ लोग एक दिन के लिए भी ग्रह शांति के लिए ज्योति जलवाने आते हैं।

सिटी स्पोर्ट्स

महिला क्रिकेट में अव्वल रही नार्थ जोन की टीम

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित सीनियर वूमेंस /अंडर 23 टी-20 चैलेंजर ट्रॉफी के अंतर्गत रविवार को शानदार मैच हुए। बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सिविक सेंटर में टीम नॉर्थ जोन ने वेस्ट जोन के विरुद्ध 8 विकेट से जीत हासिल की। बल्लेबाजी में वेस्ट जोन ने 9 विकेट पर 99 रन बनाए। जिसमें निधि सूर्यवंशी ने 35 रन, कृति गुप्ता ने 17 रन बनाए। गेंदबाजी में नॉर्थ जोन की उर्मिला हरिना ने तीन विकेट, प्रतिज्ञा सिंह एवं आंशी अग्रवाल ने एक-एक विकेट लिए। बल्लेबाजी में नॉर्थ जोनने दो विकेट पर 100 रन, आंशी अग्रवाल ने नॉट आउट 33 रन, शिवी पांडे ने नॉट आउट 30 रन और ईशा भारती देवांगन ने 30 रन बनाएं। गेंदबाजी में वेस्ट जोन की संजीता पटेल एवं प्रिया साव ने एक-एक विकेट लिए।

बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सेक्टर 1 में टीम साउथ जोन ने सेंट्रल जोन के विरुद्ध सात रन से जीत हासिल की। बल्लेबाजी में साउथ जोन ने 7 विकेट पर 110 रन बनाए। सृष्टि शर्मा ने 38 रन और शिवानी यादव ने नॉट आउट 17 रन बनाए। गेंदबाजी में सेंट्रल जोन की मोनिका ढीमर ने दो विकेट, ममता भगत, वीरता चौहान, मनस्वी निर्मलकर एवं मनप्रीत कौर गिल ने एक-एक विकेट लिए। बल्लेबाजी में सेंट्रल जोन ने 6 विकेट पर 103 रन बनाए। मनप्रीत कौर गिल ने नॉट आउट 39 रन, प्रिया साव ने 23 रन और योगिता लहरे ने नॉट आउट 15 रन बनाए। गेंदबाजी में साउथ जोन की शिवानी यादव ने 3 विकेट, हेमा मंडावी ने 2 विकेट और प्रांशु प्रिया एक विकेट लिए। इस प्रकार लीग मैच की समाप्ति के बाद प्रथम नॉर्थ जोन, द्वितीय वेस्ट जोन,तृतीय साउथ जोन, चतुर्थ सेंट्रल जोन और पंचम ईस्ट जोन की टीम रही।

सीसीपीएल में बस्तर बायसंस जीता, शशांक प्लेयर ऑफ द मैच

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग (सीसीपीएल) के द्वितीय संस्करण का आयोजन 06 जून से 15 जून तक शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, नवा रायपुर में किया जा रहा है। रविवार का दूसरा मैच बस्तर बायसंस तथा सरगुजा टायगर्स के मध्य खेला गया। बस्तर बायसंस ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय किया। सरगुजा टायगर्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 160 रन बनाये। सरगुजा टायगर्स की ओर से आशुतोष सिंह ने 27 गेंदों में 43 रनों की पारी खेलीं। उनके अतिरिक्त शुभम सिंह ने नाबाद 27 रन तथा शाश्वत शारदा ने 25 रनों का योगदान दिया। बस्तर बायसंस की ओर से सौरभ मजुमदार, नमन ध्रुव, शशांक तिवारी तथा उत्कर्ष तिवारी ने 2-2 विकेट प्राप्त किये। 161 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बस्तर बायसंस ने सधी हुयी शुरुवात की तथा पहले विकेट के लिये 60 रनों की साझेदारी की। शशांक चंद्राकर ने शानदार पारी खेलते हुये नाबाद 84 रनों का योगदान दिया। उनके अतिरिक्त संगीत सोनी ने 30 रनों की पारी खेली। सरगुजा टायगर्स की ओर से धनंजय नायक तथा गगनदीप सिंह ने 1-1 विकेट प्राप्त किये। बस्तर बायसंस ने मैच 8 विकेट से जीत लिया। शशांक चंद्राकर प्लेयर ऑफ द मैच चुने गये।

बिलासपुर बुल्स की जीत मोहित प्लेयर ऑफ द मैच

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा छत्तीसगढ़ क्रिकेट प्रीमियर लीग (सीसीपीएल) के द्वितीय संस्करण का आयोजन 06 जून से 15 जून तक षहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, नवा रायपुर में किया जा रहा है। पहला मैच बिलासपुर बुल्स तथा रायगढ लायंस के मध्य खेला गया। बिलासपुर बुल्स ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय किया। रायगढ लांयस ने पहले बल्लेबाजी करते हुये निर्धारित 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 157 रन बनाये। रायगढ लांयस की ओर से अनुराग साहु ने 47 गेंदों में 55 रनों की पारी खेलीं। उनके अतिरिक्त आदित्य सिंह ने 44 रनों का योगदान दिया। बिलासपुर बुल्स की ओर से हर्ष राठौर तथा मोहित राउत ने 2-2 विकेट प्राप्त किये। बारिश की वजह से बिलासपुर बुल्स को 16 ओवरों में 130 रनों का परिवर्तित लक्ष्य दिया गया। 130 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बिलासपुर बुल्स ने 15.3 ओवरों में 3 विकेट खोकर आसानी से लक्ष्य प्राप्त कर लिया। बिलासपुर बुल्स की ओर से आयुश पांडे ने शानदार 50 रनों का योगदान दिया। उनके अतिरिक्त मोहित राउत ने 35 रनों का योगदान दिया। रायगढ लांयस की ओर से आयुश सिंह ठाकुर ने 2 विकेट प्राप्त किये।

आपके शरीर की प्राकृतिक वृद्धि को सुगम बनाता है जिंक, जरूर करें इस्तेमाल

आपके लिए जिंक की मौजूदगी भी जरूरी इम्युनिटी बढ़ाने के साथ-साथ कई फायदे

शरीर को बेहतर तरीके से काम करते रहने के लिए आहार के माध्यम से पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। पोषक तत्व, शरीर को स्वस्थ रखने, अंगों को बेहतर तरीके से काम करते रहने और बीमारियों से बचाव के लिए शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करते हैं। जिंक, ऐसा ही एक अति आवश्यक तत्व है, जिसका शरीर के कई कार्यों में विशेष योगदान माना जाता है। जिंक एक प्रकार का खनिज है जो शरीर के कई सामान्य कार्यों और प्रणालियों के लिए आवश्यक है, जिसमें प्रतिरक्षा प्रणाली, घावों का भरना, रक्त का थक्का जमाना, थायरॉइड फंक्शन और स्वाद-गंध की इंद्रियों के कार्यों को ठीक रखना शामिल है। इसके अलावा जिंक गर्भावस्था, बचपन और किशोरावस्था के दौरान सामान्य वृद्धि और विकास में भी सहायता करती है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी उम्र के लोगों को आहार के माध्यम से जिंक प्राप्त करते रहने की सलाह देते हैं।

शरीर की इम्युनिटी के लिए जरूरी है जिंक

रोग प्रतिरोधक क्षमता का मजबूत होना कई प्रकार की संक्रामक बीमारियों से बचाने के लिए जरूरी होता है। कोरोना महामारी के दौरान यह हम सभी अच्छी तरीके से समझ चुके हैं। अध्ययनकर्ता बताते हैं कि प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने के लिए जिंक भी बहुत आवश्यक है।

जिंक पूरे शरीर की कोशिकाओं में पाई जाती है। यह आपके प्रतिरक्षा तंत्र को हमलावर बैक्टीरिया और वायरस से लड़ने में मदद करती है। आपका शरीर डीएनए (कोशिकाओं में आनुवंशिक सामग्री) और प्रोटीन बनाने के लिए भी जिंक का उपयोग करता है। आइए जानते हैं कि आहार के माध्यम से इस पोषक तत्व को कैसे प्राप्त किया जा सकता है?

रोजाना खाएं नट्स

नट्स, जिंक और अन्य आवश्यक पोषक तत्व प्रदान करने में मदद करते हैं। मूंगफली, काजू और बादाम जिंक के अच्छे स्रोत हैं। ये नट्स स्वस्थ वसा, विटामिन और फाइबर भी प्रदान करते हैं, जो शरीर को सेहतमंद रखने के लिए आवश्यक है। काजू में जिंक की मात्रा सबसे अधिक होती है, इसलिए आप आहार में इन नट्स को शामिल कर सकते हैं। अध्ययनकर्ता बताते हैं, रोजाना मुट्ठीभर नट्स का सेवन हृदय रोगों से बचाने में फायदेमंद है।

कद्दू के बीजों में जिंक

कद्दू के बीज को कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ के लिए जाना जाता है, ये जिंक के लिए भी फायदेमंद है। 100 ग्राम कद्दू के बीज में लगभग 7.5 मिलीग्राम जिंक होता है, जो अनुशंसित दैनिक सेवन का लगभग आधा है। आहार में जिंक महत्वपूर्ण है क्योंकि यह एंटीऑक्सीडेंट और एंटी-इंफ्लेमेटरी एजेंट भी है जो मेटाबॉलिज्म प्रक्रिया में भी मदद करती है।

अंडे खाने से मिलता है लाभ

अंडों को प्रोटीन के सबसे अच्छे स्रोतों में से एक माना जाता है, इसके सेवन से आप जिंक भी प्राप्त कर सकते हैं। एक बड़े उबले अंडे में 0.53 मिलीग्राम जिंक होती है, जो पुरुषों के लिए दैनिक जरूरतों के 4.8% और महिलाओं के लिए 6.6% के बराबर है।

छत्तीसगढ़ का म्यू थाई दल हरियाणा रवाना

रायपुर। यूनाइटेड म्यू थाई एसोसिएशन इण्डिया के तत्वावधान में हरियाणा स्पोर्ट्स म्यू थाई एसोसिएशन द्वारा सीनियर, जूनियर, सब जूनियर (बालक-बालिका) वर्ग की राष्ट्रीय म्यू थाई चैंपियनशिप का आयोजन 09 से 14 जून तक महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी, रोहतक (हरियाणा) में किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ एमेच्योर म्यूथाई एसोसिएशन के अध्यक्ष लखन कुमार साहू और महासचिव अनीस मेमन ने बताया कि प्रदेश म्यूथाई दल में कुल 51 चयनित म्यू थाई खिलाड़ियों और 09 अधिकारियों का दल इस प्रतियोगिता में भाग लेगा। राज्य म्यू थाई संघ के अनुरोध पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और छत्तीसगढ़ एमेच्योर म्यूथाई एसोसिएशन के संरक्षक किरणसिंह देव की अनुशंसा पर खेल मंत्री टँक राम वर्मा ने छत्तीसगढ़ म्यूथाई दल की रोहतक रवानगी के पूर्व ट्रेक सूट स्वीकृत किया। विवेकानंद मार्शल आर्ट्स एकेडमी रायपुर के खिलाड़ियों को ट्रेक सूट का वितरण शम्भू गुप्ता (योगाचार्य, प्रदेश संयोजक-स्वच्छ भारत मिशन, भारतीय जनता पार्टी) ने एक सादे समारोह में देवेंद्र नगर रायपुर स्थित विवेकानन्द मार्शल आर्ट्स एकेडमी में किया। 60 सदस्यीय दल में 51 खिलाड़ी (28 बालक, 23 बालिकायें) छत्तीसगढ़ म्यू थाई दल में विगत माह दल्ली राजहरा जिला बालोद में आयोजित 24वी राज्य स्तरीय म्यूथाई चैंपियनशिप के प्रदर्शन के आधार पर स्थान बनाने में कामयाब रहे है जो 08-09, 10-11, 12-13, 14-15, 16-17, 17-23 & +23 वर्ष के अलग अलग वजन वर्ग में भाग लेंगे।

इस राष्ट्रीय म्यू थाई चैंपियनशिप में रायपुर जिले से सर्वाधिक 25 खिलाड़ी (18 बालक, 07 बालिका), बस्तर से 19 खिलाड़ी (09 बालक, 10 बालिका), बालोद से 06 खिलाड़ी (01 बालक, 05 बालिका) तथा दंतेवाड़ा से 01 बालिका खिलाड़ी राज्य का प्रतिनिधित्व कर रहे है।

खिलाड़ियों में ऐशिनी वर्मा, मंजू साहू, भार्गवी उइके, शिवानी वर्मा, समिधा अग्रवाल, मानसी तांडी, दिव्या अग्रवाल, नित्यम कुमार साहू, कुशाग्र कुमार साहू, अर्चित केशरवानी, कार्तिक वर्मा, जय कुमार, आदित्य सोलंकी, विद्या कुमार सोनी, सुभान्श मानिकपुरी, लक्ष्मीनारायण साहू, भवजोत सिंह,

विकल्प द्विवेदी, शुभम कुमार निषाद, पारस सावरकर, आर्यन पटेल, अनुभव राय, विशाल हियाल, प्रवीण कुमार जायसवाल (सभी रायपुर),मनन झावर, वुककेम विक्टर लेनिन चैतन्य, कल्पेश शोरी, एलेक्स कुमार, शौर्य सिंह ठाकुर, आदित्य युराज नाग, ओम कुमार नुप्पो, सुभम बिस्वास, युवराज सिंह, आरवी अवस्थी, अन्वी जैन, वन्दना गोयल, भुनेश्वरी महावर, गरिमा नाग, वेदांशी ठाकुर, वंशिका बंछोर, दीपिका कश्यप, खुशबू कश्यप, गीताक्षी श्रीवास (सभी बस्तर, हिमानी डड़सेना, सिमरन सिंह, साधिके दुबे, जिया जायसवाल, वाणी और हर्ष कुमार (सभी बालोद) तथा टिकेश्वरी साहू (दंतेवाड़ा) राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। दल में राज्य म्यू थाई संघ के अध्यक्ष लखन कुमार साहू (बालोद) और महासचिव अनीस मेमन (रायपुर) आम सभा मे राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। राष्ट्रीय निर्णायक के रूप में अंतरराष्ट्रीय निर्णायक हरबंश कौर, प्रणव शंकर साहू और राष्ट्रीय निर्णायक अमन यादव कार्य करेंगे। कोच मैनेजर का दायित्व अब्दुल मोईन, नवीन ठाकुर और राजेन्द्र सिंह राजपूत (तीनों बस्तर और प्रभा साहू (धमतरी) निभाएंगे।

हथेली में हो ऐसी रेखा तो मिलता है अमीर साथी

हथेली की विवाह रेखा और कुछ अन्य निशान को देखकर जाना जा सकता है कि आपको कैसा जीवनसाथी मिलेगा। साथ ही सदी के बाद कितनी तरक्की मिलेगी।

कहां होती है विवाह रेखा?

हाथ की सबसे छोटी अंगुली के नीचे कुछ बेहद बारीक और आड़ी-टेढ़ी रेखाएं होती हैं। ये रेखाएं हथेली के बाहर से अंदर की तरफ आती हैं। ये रेखाएं हृदय रेखा के ठीक ऊपर होती है। इन्हीं को विवाह की रेखा कहा जाता है। विवाह रेखा एक या एक से अधिक भी हो सकती है।

ऐसी विवाह रेखा होती है शुभ

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार जिन लोगों की हथेली में विवाह रेखा स्पष्ट दिखाई देती है, उन्हें एक अमीर जीवनसाथी मिलता है। वहीं यदि चंद्र पर्वत से निकलकर कोई रेखा विवाह रेखा के साथ मिले तो ऐसे लोगों को बहुत प्यार करने वाला जीवनसाथी मिलता है। ऐसे लोगों का दांपत्य जीवन हमेशा खुशहाल रहता है।

यदि किसी व्यक्ति की हथेली में विवाह रेखा हल्की और पतली हो वे अपने जीवनसाथी के प्रति ज्यादा गंभीर नहीं रहते हैं। ऐसे लोगों के एक से ज्यादा प्रेम संबंध होते हैं। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार शादी के बाद भी इनके अफेयर होने की आशंका रहती है।

यदि किसी व्यक्ति की हथेली में विवाह रेखा का रंग लालिमा लिए हुए ऐसे तो ऐसे लोगों के वैवाहिक जीवन में खुशियां बनी रहती हैं। इनका वैवाहिक जीवन हमेशा प्रेम-उत्साह बना रहता है। वहीं विवाह रेखा का पीला या सफेद होना दांपत्य के प्रति उदासीनता दिखाता है।

लव राशिफल से जानिए कैसे गुजरेगा आपका प्रेम जीवन

व्यक्ति के जीवन में प्रेम संबंध और वैवाहिक संबंध का विशेष महत्व होता है। चंद्र राशि की गणना के आधार पर रोज होने वाली वार्ता के संबंध में भविष्यवाणी की जाती है। यहां दिया गया दैनिक लव राशिफल चंद्र राशि पर आधारित है। मेष लव राशिफल

प्रेम संबंधों को लेकर आप असुरक्षित महसूस कर सकते हैं जिससे आपके भीतर का आत्मविश्वास भी डगमगा सकता है। आप अपनी कमियों पर काबू करने का प्रयास करें इससे आपके भीतर अविश्वास की भावना जाग्रत नहीं होगी।

वृष लव राशिफल

आज आप रोमांटिक मूड में रह सकते हैं और प्रेमी को भी इसका अहसास दिला सकते हैं लेकिन शायद आज प्रेमी का मिजाज अच्छा ना रहें। उनका मूड ठीक करना आपकी जिम्मेदारी बनती है इसीलिए कोई उपहार देकर

या उनका मन बहलाकर उन्हें खुश करने की कोशिश कीजिए, यह आप दोनों को और करीब लाएगा।

मिथुन लव राशिफल

आज प्रेमी के व्यवहार में आपको उतार चढ़ाव देखने को मिल सकते हैं। आपको लगेगा कि वह बहुत ही ज्यादा भावुक व आवेशी हो रहा है लेकिन दूसरे ही पल आपको महसूस होगा कि वह वह अचानक चुप सा कहीं खो गया है। उसकी योजना या भाव आपके सामने आज अस्पष्ट रह सकते हैं।

कर्क लव राशिफल

आपका दिन आज बहुत बढ़िया नहीं कहा जा सकता है और आज आप किसी बात को लेकर अपने प्रेमी के सामने झूठ का सहारा भी ले सकते हैं। यदि आप चाहते हैं कि दिन अच्छा बना रहे तब आप दोनों को कहीं बाहर घूमने जाना चाहिए।

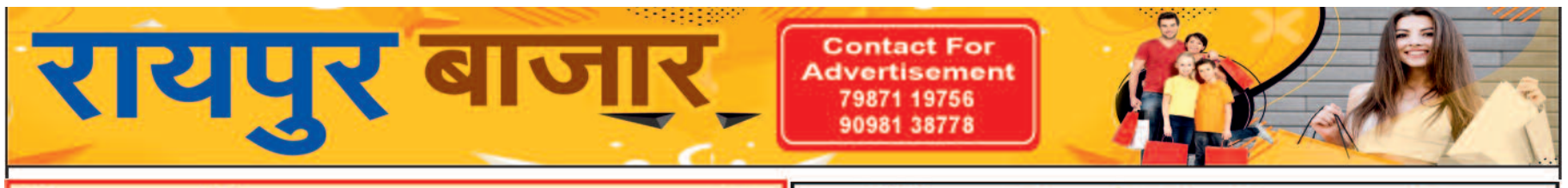

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

24 साल में पूरी तरह बदल गए 'हैरी पॉटर' के किरदार, अब पहचानना भी मुश्किल

हैरी-हरमाइनी और रॉन को पहचानना हुआ मुश्किल, लगभग 24 साल पहले 'हैरी पॉटर' सीरीज की पहली फिल्म रिलीज हुई। यह फिल्म आज भी बच्चों के बीच काफी पॉपुलर है। कई बच्चे इस फिल्म की सीरीज के साथ बड़े हुए और इसके किरदारों, एक्टर्स के साथ खास लगाव महसूस करते हैं।

अगर आपने भी 'हैरी पॉटर' सीरीज की फिल्में देखी हैं तो जरूर जानना चाहेंगे कि अब लीड रोल निभाने वाले एक्टर्स कैसे दिखते हैं? 'हैरी पॉटर' फिल्म्स के बाद जल्द ही 'हैरी पॉटर' रीबूट सीरीज भी दर्शकों को देखने को मिलेगी। इसमें नए चाइल्ड आर्टिस्ट हैरी पॉटर, हरमाइनी ग्रेंजर और रॉन वीजली के किरदार निभाएंगे। लेकिन 'हैरी पॉटर' सीरीज की फिल्मों में लीड रोल निभाने वाले एक्टर्स को शायद ही कभी उनके फैंस भूल पाएंगे। हम आपको बता रहे हैं कि अब ये एक्टर्स कैसे दिखते हैं? डेनियल रेडक्लिफ ने हैरी पॉटर का किरदार 'हैरी पॉटर' सीरीज की फिल्मों में निभाया। इस फिल्म सीरीज को करते हुए वह बड़े हुए। यही फिल्म का लीड कैरेक्टर था, जिसके ईद-गिर्द पूरी कहानी चलती है। आज भी डेनियल को इस किरदार के कारण दुनिया भर में पहचाना जाता है। इन दिनों भी वह बतौर एक्टर फिल्मों में काम कर रहे हैं। डेनियल एक यंग, मैच्योर एक्टर बन चुके हैं। एमा वॉटसन ने फिल्म 'हैरी पॉटर' सीरीज में हरमाइनी ग्रेंजर का रोल किया। फिल्म में हरमाइनी एक समझदार और पढ़ने लिखने वाली और जादू करने वाली लड़की के रोल में दिखीं। वह अपने दोस्त हैरी पॉटर की मदद के लिए हमेशा तैयार रहती थी। इन दिनों एमा वॉटसन हॉलीवुड में एक जानी-मानी एक्ट्रेस बन चुकी हैं, कई फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। रूपर्ट ग्रिंट ने हैरी पॉटर सीरीज की फिल्मों में रॉन वीजली का रोल किया। यह किरदार भी हैरी का अच्छा दोस्त है, हर मुश्किल में उसका देता है। रूपर्ट ग्रिंट भी इन दिनों बतौर एक्टर हॉलीवुड फिल्मों में काम कर रहे हैं। टॉम फेल्टन ने फिल्म 'हैरी पॉटर' में नेगेटिव कैरेक्टर ड्रेको माल्फॉय का रोल किया। यह किरदार हमेशा हैरी को परेशान करता था। टॉम फेल्टन भी इस किरदार के कारण आज भी पहचाने जाते हैं, साथ ही वह फिल्मों में भी बतौर एक्टर सक्रिय हैं। रॉबर्ट पैटिनसन तो 'ट्वाइलाइट' सीरीज की फिल्मों के हीरो के तौर पर पहचाने जाते हैं। लेकिन वह भी 'हैरी पॉटर' फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। रॉबर्ट ने इसमें सेड्रिक डिग्गोरी नाम का रोल किया। यह किरदार फिल्म में कुछ समय के लिए था लेकिन काफी पॉपुलर हुआ। एक्टर राल्फ फिएनेस ने हैरी पॉटर फिल्म की सीरीज में लॉर्ड वोल्डेमॉर्ट का रोल किया। यह हैरी पॉटर का सबसे बड़ा दुश्मन था, जो उसे मारना चाहता था। हैरी पॉटर और लॉर्ड वोल्डेमॉर्ट के बीच की लड़ाई पर ही इस फिल्म की कहानी चलती है। राल्फ फिएनेस एक्टर होने के साथ एक फिल्म प्रोड्यूसर भी हैं।

टॉलीवुड

पवन की 'हरि हर वीरा मल्लू' की रिलीज फिलहाल नहीं, मेकर्स ने कहा-थोड़ा इंतजार

जून के महीने में साउथ फिल्मों के स्टार पवन कल्याण की फिल्म 'हरि हर वीरा मल्लू' रिलीज होने वाली थी। लेकिन अब पवन के फैंस को निराश होना पड़ सकता है।

दरअसल, यह फिल्म पोस्टपोन कर दी गई है। इसका कारण भी मेकर्स ने एक नोट के जरिए फैंस के साथ साझा किया है। पवन कल्याण की फिल्म 'हरि हर वीरा मल्लू' को लेकर उनके फैंस के बीच जबरदस्त क्रेज सोशल मीडिया पर देखने को मिल रहा था। इस फिल्म की रिलीज डेट 12 जून है लेकिन कुछ कारणों से फिल्म की शूटिंग में लगातार देरी हुई। अब फिल्म के मेकर्स ने इस फिल्म की रिलीज को लेकर नया अपडेट शेयर किया है।

भोजपुरी

'अम्मा' का ट्रेलर देख छलक पड़ेंगे आंसू, नई-नवेली शादी और मिल गए सौतेले बच्चे

भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की फेमस स्टार रानी चटर्जी एक नई फिल्म लेकर आ रही हैं, जिसका नाम है 'अम्मा'। इस फिल्म में सबकुछ है, लेकिन उनकी जिंदगी में बच्चों के होते हुए भी बच्चों का प्यार नहीं है। इसका ट्रेलर रिलीज हो गया है, जिसे देख आपकी आंखें नम हो जाएंगी। भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री की फेमस एक्ट्रेस रानी चटर्जी की नई मूवी 'अम्मा' का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। 4 मिनट 34 सेकेंड का ये वीडियो आपकी आंखें नम कर देगा। कहानी एक ऐसी नई-नवेली दुल्हन की है, जिसके ससुराल जाते ही अरमानों पर पानी फिर जाता है, क्योंकि उससे एक सच छिपाया जाता है। सच ये कि उसके पति के पहले से ही दो बच्चे हैं। आगे क्या होता है, जानिए।

नई भोजपुरी मूवी 'अम्मा' के ट्रेलर में दिखाया गया है कि रानी चटर्जी की शादी होती है। वो ससुराल जाती है। वहां पर जाते ही उसे पता चलता है कि उसके पति की पहली बीवी मर चुकी है और उसके दो बच्चे भी हैं। वो उन बच्चों को अपनाने से साफ इनकार कर देती है। पल-पल पर उन्हें दुतकारती है। ये देखकर ससुरालवालों का कलेजा पसीज जाता है। पर रानी किसी की नहीं सुनती।जब रानी चटर्जी मां बनने की कोशिश करती है तो उसके अरमान टूटकर चकनाचूर हो जाते हैं, क्योंकि डॉक्टर उसे बताते हैं कि वो कभी मां नहीं बन पाएगी। इसके बाद रानी के मन में अपने सौतेले बच्चों के लिए प्यार और अपनापन फूटता है, लेकिन तब तक देर हो चुकी होती है।

अफ्रीकन फैशन वीक को ह्यूस्टन शहर का प्रमुख अंतरराष्ट्रीय फैशन अनुभव माना जाता है। यहां हर साल होने वाले इस इवेंट में अफ्रीकी संस्कृति और सौंदर्यशास्त्र के सार से दुनिया रूबरू होती है। यह एक बेहतरीन अनुभव केंद्रित कार्यशालाओं का अनुभव भी देता है। यहां दुनिया भर के फैशन डिजाइनर हर साल जुटते हैं और अपना कलेक्शन दुनिया के सामने पेश करते हैं।

खो रही है हाथ-पैर की नमी तो घबराएं नहीं, करें इनका इस्तेमाल

रोजमर्रा की जिंदगी में कई चीजें ऐसी होती हैं, जिनके इस्तेमाल से हाथ-पैर काफी रूखे होने लगते हैं। इन चीजों कठोर साबुन, केमिकल प्रोडक्ट और अगरबत्ती शामिल होती हैं। इनके साथ ही मौसम का सीधा असर भी हाथ-पैर पर पड़ता है। आप बदलते मौसम में ड्राई स्किन से परेशान हैं तो कुछ घरेलू नुस्खे अपनाकर आप इस परेशानी से छुटकारा पा सकते हैं।

नारियल का तेल

नारियल का तेल में कई ऐसे तत्व होते हैं, जो त्वचा संबंधी परेशानियों को कम करते हैं। ये आमतौर पर सभी घरों में आसानी में मिल जाता है। ये आपकी स्किन को हाइड्रेटेड रखता है। इसके इस्तेमाल के लिए आपको बस कुछ बूंद तेल लेकर हाथ-पैर पर मालिश करनी है।

एलोवेरा

एलोवेरा स्किन पर नमी बरकरार रखने में मदद करता है। ऐसे में आप बड़ी आसानी से इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए बस एलोवेरा जेल लेकर हाथ-पैर पर लगाना है।

शहद

अगर आप शहद का इस्तेमाल करने का सोच रही हैं, तो ये एक बेहतर विकल्प है। इसमें कई एंटी-ऑक्सीडेंट और एंटी-बैक्टीरियल तत्व पाए जाते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए बस आपको 10 से 15 मिनट तक शहद अपने हाथ-पैर पर लगाना है और फिर हाथ धो लेने हैं।

ओटमील पाउडर

इसके इस्तेमाल के लिए ओटमील पाउडर में पानी मिलाकर इसका पेस्ट बनाएं। हाथ-पैर में नमी बरकरार रखने के लिए आपको हर रोज इसका इस्तेमाल करना है।

नहीं पहननी चूड़ियां, तो ट्राई करें चूड़ा डिजाइन

अपने श्रृंगार के दौरान अगर आपको चूड़ियां नहीं पहनना चाहती तो चूड़े के अलग-अलग ऑप्शन ट्राई कर सकती हैं। इससे आपके हाथ खूबसूरत लगेंगे। रेड मिनाकारी चूड़ा डिजाइन में पूरे चूड़े में हैवी वर्क किया जाता है। आसपास के कंगन में पर्ल लगाए जाते हैं, और चौड़े कंगन पर हैंड वर्क होता है। इस तरीके के चूड़े को आप साड़ी, सूट या फिर लहंगे के साथ वियर कर सकती हैं।

मार्केट में आपको इस चूड़ें में मल्टीकलर और सिंगल कलर मिल जाएगा। कुंदन वर्क ज्वेलरी डिजाइन आजकल काफी ट्रेंड में है। इस डिजाइन वाले चूड़े को भी आप वियर कर सकती हैं। इसमें आपको पतले कंगन में थोड़ा कुंदन वर्क (हाथों के लिए खूबसूरत बैंग्लस डिजाइन) मिलेगा। लेकिन चौड़े कंगन पर आपको ज्यादा कुंदन वर्क देखने को मिलेगा। इसमें आप चाहे तो लटकन वाले चूड़े को खरीद सकती हैं। वरना बिना लटकन वाले चूड़े के डिजाइन भी आपको मिल जाएंगे।

ज्यादातर महिलाएं केवल लाल या मरून रंग का ही चूड़ा पहनती हैं। लेकिन अगर आप कुछ अलग ट्राई करना चाहती हैं तो लंहगे से

मैचिंग चूड़ा पहनें। पिंक कलर का चूड़ा देखने में बेहद सुंदर और अट्रैक्टिव लगता है। इसके साथ कुंदन के कड़े खूब जंचते हैं। आप भी कुछ इसी तरह का चूड़ा डिजाइन सेलेक्ट कर सकती हैं। मार्केट में आपको कई रंग के चूड़े मिल जाएंगे। आप चूड़ा के साथ भी क्रिएटिविटी कर सकती हैं। आजकल कस्टमाइज्ड चूड़ा डिजाइन काफी पॉपुलर हैं। इसमें आप चूड़े पर कुछ भी लिखवा सकती हैं। चाहे वह पति का नाम हो या फिर सौभाग्यवती भव जैसे मंत्र हों। यकीन मानिए यह चूड़ा देखकर हर कोई आपकी तारीफ जरूर करेगा।

चेहरे पर निखार लाने लगाए मुल्तानी मिट्टी के फेसपैक

अगर आपके भी स्किन ऑयली और चिपचिपी है, और उसे आप परेशान हो चुके हैं, तो छुटकारा पाने के लिए आप मुल्तानी मिट्टी के फेसपैक बना कर आसानी से तैयार कर सकते हैं, मुल्तानी मिट्टी आपकी स्किन को नेचुरल ग्लो देगा साथ में पिंपल जैसे समस्या को खत्म करेगी।

मुल्तानी मिट्टी और आलू का रस

मुल्तानी मिट्टी और आलू का रस का फेस पैक बनाने के लिए सबसे पहले दो चम्मच मुल्तानी मिट्टी का पाउडर ले, और उसमें आलू का रस निकालकर मुल्तानी मिट्टी मिले आलू को पहले आप कद्दूकस कर ले, और उसका रस अलग कर ले, और इस फेस पैक को अब अपने चेहरे पर 20 मिनट के लिए लगा कर रखें, और जब यह फेस पैक सूखने लगे तो ठंडा पानी से अपने चेहरे को धो ले, यह आपकी स्किन को ग्लो बढ़ा देगी, और यह फेस पैक चेहरे पर अप्लाई करने से चेहरे पर जो भी ऑयल होता है, उसे सुख लेता है, और स्किन में एक नेचुरल ग्लो देने का काम करता है।

मुल्तानी मिट्टी और दही

डेड स्किन सेल्स को हटाने के लिए आप मुल्तानी मिट्टी और दही का फेस पैक लगा सकते हैं, और इस फेस पैक को तैयार करने के लिए दो चम्मच मुल्तानी मिट्टी का पाउडर एक कटोरी में डालें और एक बड़ा चम्मच फ्रेश दही को मिले ले और दोनों को अच्छी तरह से मिक्स कर ले, और मिक्स करने के बाद अपने चेहरे और जहां भी ट्रेनिंग की समस्या है।

दिखना है सबसे खूबसूरत तो पहनें इस तरह के लहंगे

तीज-त्यौहार हो या किसी पार्टी का मौका, हर महिला अपने श्रृंगार का विशेष ध्यान रखती हैं। ऐसे खास मौके पर अगर आप लहंगा पहनने का सोच रही हैं तो कुछ लेटेस्ट लुक आजमा सकती हैं। लहंगा लेने से पहले ये जरूर तय कर लें कि आप उसे किस तरह के कैरी करना चाहती हैं। अगर आप इस तरह से लहंगे को पहनना चाहती हैं तो इसका दुपट्टा काफी लंबा होना चाहिए।

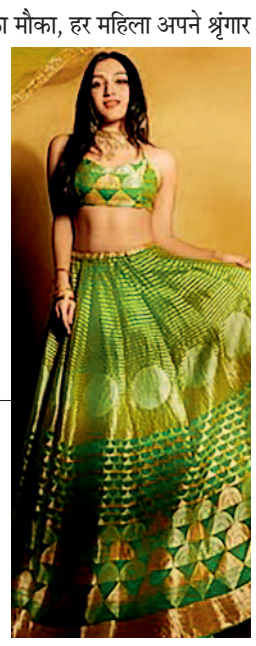

सिल्क लहंगा

आजकल इस तरह के सिल्क के लहंगे काफी चलन में हैं। ये आपको ऑनलाइन के साथ-साथ आसानी से बाजार तक में भी मिल जाते हैं। तीज के दिन ऐसा लहंगा पहनकर आप जलवा दिखा सकती हैं।

नेट वाला लहंगा

स्लीवलेस ब्लाउज के साथ इस तरह का नेट वाला लहंगा देखने में काफी प्यारा लगता है। इस तरह के लहंगे के साथ ब्लाउज हमेशा अलग रंग का लेना चाहिए। ये आपके लुक को और खूबसूरत बनाता है।

हैवी वर्क सिल्क लहंगा

अगर आपको सिल्क के फैब्रिक का लहंगा पसंद है लेकिन आप तीज पर कुछ हैवी पहनना चाह रही हैं तो इस तरह का लहंगा आपके लिए परफेक्ट है। इसे पहनकर आपका लुक काफी ग्लैमरस दिखेगा।

ए लाइन लहंगा

ए लाइन लहंगा ज्यादा हैवी नहीं होता है। ये ज्यादा महंगा भी नहीं आता। आप हरतालिका व्रत की पूजा के लिए इस तरह का लहंगा खरीद सकती हैं। ये देखने में काफी प्यारा लगता है।

शादी का लहंगा

अगर आपको इनमें से कोई लहंगा पसंद नहीं आ रहा है तो आप अपनी शादी का लहंगा ही हरतालिका तीज की पूजा में पहन सकती हैं। ये आपकी शादी की यादों को ताजा कर देगा।

कार्नर न्यूज

नई मेकअप स्टाइल को दुनिया भर में अपना रहे मॉडल

बार्बी डॉल सा पिंक-पिंक मेकअप आया चलन में, दुनियाभर में बदल रहा हैं लुक

इन दिनों बार्बी मेकअप लुक काफी ट्रेंड में है। इसका पिंक-पिंक मेकअप आपको बार्बी डॉल बना देगा और आपका जलवा हर जगह बिखरने लगेगा। आपको मेकअप में पिंक कलर या मेकअप इंडस्ट्री का अपडेट अपनाना पसंद है तो बार्बी मेकअप आपके लिए है। इन दिनों यह काफी पसंद किया जा रहा है। इसमें पिंक कलर का उपयोग कर बार्बी डॉल का लुक क्रिएट किया जाता है। इसमें गुलाबी आंखों के लिए हॉट पिंक आई शैडो, गुलाबी गाल के लिए पिंक ब्लश, नाखूनों के लिए गुलाबी नेल पेंट और गुलाबी होंठ के लिए पिंक लिप शेड का इस्तेमाल किया जाता है। बार्बी मेकअप के इतने ही स्टाइल नहीं हैं, इसकी सूची लंबी है। इसमें शामिल हैं, लिलैक बार्बी, लवर बार्बी, मालिबू बार्बी, पंक रॉक बार्बी, ग्लिटजी बार्बी, ड्रीमी बार्बी, ब्लशिंग बार्बी और स्बटल बार्बी। ऐसे में बार्बी मेकअप के लेटेस्ट ट्रेंड्स के बारे में जानना जरूरी है।

मरमेड: यह आपको क्लासी बार्बी लुक देगा। इस लुक में पिंक और पर्पल शेड का ही उपयोग होता है। सौंदर्य विशेषज्ञों के अनुसार, मरमेड बार्बी लुक के लिए मेकअप में पिंक और पर्पल शेड का ज्यादा उपयोग होता है। आंखों के लिए पिंक या पर्पल शेड का आईशैडो और फ्रॉस्टेड पिंक लिप कलर का उपयोग होता है, बाकी मेकअप बेस अन्य मेकअप स्टाइल जैसा होता है।

बोल्ड: यह मेकअप लुक आप खुद भी क्रिएट कर सकती हैं। इस लुक में पिंक कॉस्मेटिक शेड ही प्राथमिकता में रहता है। आप युवा हैं, अधेड़ या बड़ी उम्र की महिला, बोल्ड बार्बी लुक आप पर जंचेगा। बस जरूरत है, इस मेकअप को आत्मविश्वास से कैरी करने की।

नियॉन: नियॉन बार्बी मेकअप करना काफी आसान है। इसे आप खुद भी कर सकती हैं। बस, जरूरत है अभ्यास की। नियॉन बार्बी मेकअप करने का हर

तरीका आपको सर्च इंजन में मिल जाएगा। इसे करने का मन है तो कर डालिए। यह आप पर फबेगा, बस इसे कैरी करते हुए आत्मविश्वास बनाए रखना बहुत जरूरी है।

इथेरल: इथरेल बार्बी मेकअप सिर्फ आंखों या होंठों पर नहीं, चीक बोन और जॉ लाइन पर भी किया जाता है। इसके लिए मेकअप का बेस लगा लें। आई मेकअप कर लें। आंखों में पिंक आई शैडो लगाएं। जॉ लाइन और चीक बोन को चीक पॉपर ब्लशिंग हाइलाइटर से एनहैंस्ड करें।

स्लट्री: सुना है कभी स्मोकी पिंक आइज के बारे में? स्लट्री बार्बी मेकअप में स्मोकी पिंक आई मेकअप किया जाता है और बाकी हर मेकअप में पिंक शेड की प्राथमिकता रहती है। इस मेकअप में ब्लशर बफी पिंक और हाइलाइटर शिमरी पिंक होना चाहिए, तभी ग्लो दिखेगा।